तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 21 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 21 अक्टूबर 2024 डाक 22 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
जयपुर में अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती के प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेत्री कृति सनोन, काजोल और शहीर शेख

देश-विदेश
उम्मीदवारों की घोषणा होते ही भाजपा में असंतोष नेता से लेकर कार्यकर्ता तक उठा रहे सवाल

फीचर पेज
अचानक उल्टी जैसा महसूस हो रहा है? इन 5 खाद्य पदार्थों के सेवन से मिलेगा आराम

पुलिस स्मृति दिवस: गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

देश भर में सीएपीएफ कर्मियों के आश्रितों के लिए 26 एमबीबीएस और 3 बीडीएस सीटें आरक्षित

नईदिल्ली, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के राष्ट्रीय पुलिस मेमोरियल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही देश की सुदूर तक फैली सीमाओं की सुरक्षा करने के लिए सभी बलों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। यही जवान हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखते हैं। -50 से +50 डिग्री तापमान में सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, उन्होंने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उनके परिजनों को भी श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं। वहीं उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पुलिस स्मृति दिवस पर, मैं अपने कर्तव्य के दौरान अपने सर्वोच्च बलिदान से अमर हुए हमारे शहीदों को नमन करता हूं। मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि यहां आकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि देने का मुझे मौका मिला।

यही हमारे जवान हैं कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर किबिथू तक फैली हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखते हैं। केंद्रीय पुलिस बलों के लिए किए गए कामों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हमने 113 बैरकों को मंजूरी दी है और 24 मार्च तक 11276 घरों और 111 बैरकों का निर्माण पूरा हो चुका है। हमने सीएपीएफ ई आवास वेब पोर्टल के माध्यम से खाली घरों को आवंटित करने का भी काम किया है। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना हमारे पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए वरदान साबित हुई है और सीएपीएफ कर्मियों के आश्रितों के लिए 26 एमबीबीएस और 3 बीडीएस सीटें आरक्षित की गई हैं।

केंद्रीय अनुग्रह राशि में वृद्धि और एकमुश्त मुआवजा देने से हमारे युवाओं के परिवारों को राहत मिली है। हमने विकलांगता अनुग्रह राशि में और वृद्धि करके भी इस दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा, हमारे पुलिसकर्मी, विशेषकर सभी सीएपीएफ कर्मी, कानून व्यवस्था की स्थिति और देश की सुरक्षा को संभालने के अलावा और भी कई काम करते हैं। आज मैं देश के लोगों को बताना चाहता हूं कि 2019 से लेकर 2024 तक हमारे सीएपीएफ के जवानों ने करीब 5 करोड़ 80 लाख 90 हज़ार पौधे लगाए हैं और उन्हें अपने बच्चों की तरह पालने और बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार के एक प्रोग्राम के माध्यम से सभी सीमावर्ती जिलों में भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाने का काम भी किया जा रहा है। साथियों आज वो दिन है, जब हमें अपने सभी शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि देता हूं, उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और आज मैं उन शहीद पुलिस जवानों के परिवारों को विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि आपके परिजनों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और 2047 में देश एक विकसित राष्ट्र बनेगा और उस समय भी जब आज़ादी की शताब्दी मनाई जाएगी, तब भी एक पुण्य राष्ट्र आपके परिजनों के बलिदान को नमन करके उन्हें हमेशा याद रखेगा।

मुंबई में सीएम एकनाथ शिंदे ने किया नमन

मुंबई। मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुलिस स्मृति दिवस पर कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की।

शहीद दिवस कार्यक्रम में पहुंचे सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्टूबर को उन वीर पुलिसकर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिन हमें हमारे देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सुरक्षा बलों और पुलिस के वीर शहीदों द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान दिए सर्वोच्च बलिदान पर पूरे देश को गर्व है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान, 23 तक आने की आशंका, ओडिशा-पश्चिम बंगाल में अलर्ट

नईदिल्ली, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

बंगाल की खाड़ी में 23 अक्तूबर तक चक्रवाती तूफान आने की आशंका जताई गई है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को कहा कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र इस चक्रवाती तूफान की चपेट में आ सकते हैं। इस दौरान वहां तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना जताई गई है। आईएमडी ने एक विशेष बुलेटिन जारी कर कहा है कि अगले 24 घंटों के दौरान अंडमान सागर पर बने एक चक्रवाती उच्च प्रभाव के सोमवार तक कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने की आशंका है। बुलेटिन के मुताबिक, इस मौसम प्रणाली के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने और 22 अक्तूबर की सुबह तक अवदाब में तब्दील होने व 23 अक्तूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है। चक्रवाती तूफान बंगाल की खाड़ी में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए 24 अक्तूबर की सुबह तक ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों से टकरा सकता है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मौसम की यह प्रणाली एक गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकती है। उन्होंने एक स्थानीय टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि तटीय क्षेत्र में कुछ स्थानों पर 24-25 अक्तूबर को 20 सेमी बारिश हो सकती है। बारिश की तीव्रता 20 से 30 सेमी तक और कुछ स्थानों पर 30 से अधिक भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि आईएमडी ने भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों और तीव्रता के बारे में कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया है। बुलेटिन में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की आशंका है।

मछुआरों को 21 अक्तूबर तक तट पर लौटने की सलाह

आईएमडी ने कहा कि चक्रवाती तूफान के प्रभाव से ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों में 23 से 25 अक्तूबर तक भारी वर्षा हो सकती है। मछुआरों को 21 अक्तूबर तक तट से लौटने की सलाह दी गई है।

120 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चलेगी हवा

ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर 23 अक्तूबर की शाम से 50 से 60 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी हवाएं चल सकती हैं। 24 अक्तूबर की रात से 25 अक्तूबर की सुबह तक ये हवाएं धीरे-धीरे बढ़कर 100-110 किमी प्रति घंटे और 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी। आईएमडी ने कहा कि इस अवधि के दौरान समुद्र की स्थिति असामान्य रहने की संभावना है।

त्याग करना पड़ता है, सीट बंटवारे पर टूटा संजय राउत का सब्र, कांग्रेस को समझाया गठबंधन का धर्म

मुंबई, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। भाजपा ने रविवार को 99 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। महायुति गठबंधन में सीट शेयरिंग की बात लगभग पूरी हो चुकी है। वहीं, विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में अभी सीटों का बंटवारा भी पूरा नहीं हो सका है। जानकारी के मुताबिक, सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस की बात पर एनसीपी (शरद गुट) और शिवसेना (यूबीटी) रजामंदी नहीं

जता रहे। दरअसल, राज्य में कांग्रेस सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। सीट बंटावरे को लेकर जब शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत से सवाल पूछा गया कि क्या कांग्रेस की वजह से सीट शेयरिंग में देरी हो रही है तो उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है।

आज शाम सारा मुद्दे हल हो जाएंगे। कांग्रेस का आलाकमान दिल्ली में है। दिल्ली में फैसले तय होते हैं। संजय राउत ने आगे कहा कि भाजपा और शिंदे गुट के लीडर भी दिल्ली में हैं। जिनका हाई कमांड दिल्ली में है। उन्हें बार-बार दिल्ली जाना पड़ता है। हम क्या कर सकते हैं। हालांकि, हम बैठकर सारे मुद्दे सुलझा लेंगे।

तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार को मारी टक्कर, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र के ढ़ौर गांव एक तेज रफ्तार हाईवा ने एक ही परिवार के चार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है और एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सभी लोग एक ही बाइक से गृह प्रवेश कार्यक्रम में कचांदुर गए थे और सोमवार की सुबह वापस लौट रहे थे। रस्ते में ग्राम धौर के पास हाइवा गाड़ी ने इन सभी को चपेट में ले लिया। जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतक का नाम राजेश साहू (उम्र32), रानी साहू (उम्र 28) (मृतक की बहन) और उसकी भांजी जिसकी उम्र 12 साल बताई जा रही है। उनकी मौके पर मौत हो गई है।

दिल्ली पुलिस ने टेलीग्राम को चिट्ठी लिखकर मांगी जस्टिस लीग इंडिया की डिटेल, जांच जारी

नईदिल्ली, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

दिल्ली पुलिस ने टेलीग्राम मैसेंजर को पत्र लिखकर टेलीग्राम चैनल जस्टिस लीग इंडिया के बारे में जानकारी मांगी है। कल रोहिणी के प्रशांत विहार में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर ब्लास्ट हुआ था। वहीं, विस्फोट के बाद सीसीटीवी फुटेज के साथ घटना पर एक पोस्ट चैनल पर साझा की गई थी। पुलिस अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी जानकारी मांग रही है। टेलीग्राम ने अभी तक दिल्ली पुलिस को जवाब नहीं दिया है। दिल्ली पुलिस सूत्र के अनुसार, जांच जारी है और धमाके के संबंध में अभी तक किसी संगठन का नाम सामने नहीं आया है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस की साइबर विंग भी जांच में जुटी हुई है। साइबर विंग को टेलीग्राम व दूसरे सोशल मीडिया साइट्स खंगालने को कहा गया है।

पंजाब में तीन टारगेट किलिंग नाकाम, बंबीहा गैंग के पांच गुर्गे गिरफ्तार, अमृतपाल के गनमैन ने रची थी बड़ी साजिश

जालंधर। पुलिस ने राज्य में तीन बड़े लोगों की हत्या की योजना को नाकाम करते हुए बंबीहा-कौशल गिरोह के पांच गुर्गों को हथियारों के साथ पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने खुद अपने एक्स अकाउंट में इसकी पुष्टि की है। खास बात यह है कि राज्य में टारगेट किलिंग की योजना बना रहे उक्त आरोपितों को हथियार असम की डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत बंद खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल के निजी गनमैन रहे गुरभेज सिंह ने ही उपलब्ध करवाए थे। गुरभेज सिंह भी इस समय कपूरथला जेल में बंद है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान जालंधर के गांव बोपाराय कलां के जसप्रीत सिंह, होशियारपुर के गांव गैराज महदूद के हर्षदीप सिंह, तरनतारन के गांव मुरादपुर के शेखर, जालंधर के न्यू माडल हाउस के गगनदीप सिंह और गांव बंबियां वाल के अमित सहोता के रूप में हुई है।

पीएफआई का काला कच्चा चिट्ठा: विदेश में 13 हजार की फौज, हवाला से करोड़ों का चंदा, ईडी के चौंकाने वाले खुलासे

नईदिल्ली, 21 अक्टूबर।

प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने सनसनीखेज खुलासे किए हैं। ईडी ने पीएफआई से जुड़े नेटवर्क की चार साल तक जांच की। जांच के बाद तैयार किए गए डोजियर से पता चला है कि पीएफआई के केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, जम्मू और कश्मीर और मणिपुर में सैकड़ों सदस्य और कार्यालय हैं। ईडी के डोजियर के अनुसार, इस संगठन को साल 2022 के जुलाई महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या के असफल प्रयास के बाद प्रतिबंध लगा दिया गया था। गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जांच से पता चला है कि संगठन के सदस्य सिंगापुर सहित पांच खाड़ी देशों में भी सक्रिय थे। इस संगठन में कम से कम 13,000 सदस्य हैं। जांच से ये भी पता चला है कि कई अज्ञात दानदाताओं ने संगठन को वित्तीय मदद दी है।

जिनके दो से ज्यादा बच्चे, वही लड़ सकेंगे चुनाव, जानें चंद्रबाबू नायडू ने क्यों कही ऐसी बात

आंध्र प्रदेश। सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि, राज्य में विकास दर बढ़नी चाहिए। सभी को इस बारे में सोचना चाहिए और परिवारों को कम से कम दो या उससे अधिक बच्चे पैदा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। दरअसल केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी। उन्होंने आगे कहा कि, हालांकि अतीत में, मैंने जनसंख्या नियंत्रण की वकालत की, लेकिन अब हमें भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत है। सीएन नायडू ने बताया कि, राज्य सरकार एक कानून लाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो या उससे अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

मातृभूमि की रक्षा का भाव हो सभी नागरिकों में:कौशलेन्द्र

कोरबा नगर स्तरीय विजयादशमी उत्सव पर आरएसएस का पथ संचलन

कोरबा । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कोरबा नगर स्तरीय विजयादशमी उत्सव रविवार को बालको नगर के डॉ भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित हुआ। निर्धारित समय पर एकत्रीकरण और ध्वज आरोहण के साथ पथ संचलन निकाला गया। नगरीय क्षेत्र के 1100 स्वयंसेवक इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उत्साहित मातृशक्ति सहित स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया और अपने सरोकार दिखाए। वार्षिक कार्यक्रम की श्रृंखला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयादशमी उत्सव गरिमामय स्वरूप में आयोजित किया। स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स से घोष दल के साथ 8 वाहिनियों में पथ संचलन दोपहर 3 बजे शुरू हुआ। ध्वज वाहिनी के साथ ध्वज रक्षक और उसके पीछे घोष दल व विभिन्न क्षेत्रों के स्वयंसेवक शामिल हुए।

पुष्पवर्षा की,किए गए प्रदर्शन

बालको नगर के गायत्री मंदिर मार्ग, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर 5 , मुख्य मार्ग होते हुए पथ संचलन पूर्ण हुआ। अनुशासित व्यवस्था के साथ किए गए पथ संचलन का इन मार्गों पर अनेक स्थान पर मातृशक्ति और बालकों के वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से पुष्प वर्षा कर अभूतपूर्व स्वागत किया गया। बालकोनगर में इस तरह का यह पहला बड़ा कार्यक्रम रहा जिसने लोगों को अपनी तरफ आकर्षित किया। संचालन के निर्धारित मार्ग पर स्वयंसेवकों व स्थानिय पुलिस के द्वारा सुरक्षा की व्यवस्था की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, सामाजिक समरसता प्रांत प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष में प्रवेश कर चुका है। 99 वर्ष पहले छोटी सी धारा के रूप में इसका शुभारंभ हुआ था। 1925 में संघ की स्थापना हुई रही होगी तो उस समय का वातावरण कैसा रहा ,इसकी स्थापना करने का विचार डॉक्टर केशव बलीराम के मन में कैसे आया। संघ के विस्तार को देख उनकी आत्मा भी प्रसन्न हो रही होगी। कौशलेंद्र ने स्वाधीनता संग्राम में योद्धाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि गजनवी की सेना को परास्त करने ने डेढ़ सौ लोगों ने शौर्य दिखाया। यह संसार की अद्भुत घटना थी, जिसके बारे में योद्धाओं का कहना था कि हमने जोखिम के साथ निर्णय लिया ताकि आने वाली पीढ़ी हमे कायर ना कहे। विजयादशमी उत्सव के अंतर्गत स्वयंसेवकों के समूह ने स्टेडियम परिसर में सामूहिक योग अभ्यास, आसन, यष्टि, पद विन्यास, और घोष के प्रयोग की शानदार प्रस्तुति की। कार्यक्रम के मंच पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संचालक सत्येंद्र दुबे, जिला संचालक डॉक्टर विशाल उपाध्याय, नगर संघ चालक अशोक तिवारी, जिला कार्यवाह कैलाश नाहक , नगर कार्यवाह मृगेश यादव एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्र की प्रगति का हो विचारः सेठिया

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राहुल सेठिया,आयकर सलाहकार ने सारगर्भित विचार रखते हुए विजयादशमी की प्रासंगिकता को स्पष्ट किया। साथ मे यह भी कहा कि किसी भी राष्ट्र को प्रगति पथ पर ले जाने के लिए उसके लोगों की निष्ठावान बनना होगा। संघ लोगों को देशभक्ति और अनुशासन सीखा रहा है, यह देश की जरूरत है। उन्होंने आव्हान किया कि लोग रोबोटिक युग से बाहर निकलें व पर्यावरण की रक्षा करें। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया।

गुजराती महिलाओं ने किया प्री करवा चौथ का सेलिब्रेशन

कोरबा। गरवी गुजरात समूह से जुड़ीं गुजराती महिलाओं ने शनिवार को प्री करवा चौथ सेलिब्रेशन टीपी नगर स्थित डेक्सी के पार्टी हाल में किया। इस मौके का ड्रेस कोड रेड साड़ी रखी गई थी। सभी महिलाओं ने एक समान परिधान में शामिल होकर करवा चौथ का उत्साह रोचक प्रतियोगिताओं के बीच मनाया। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

साइबर पखवाड़ा के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोगों को किया गया जागरूक

कोरबा। कोरबा जिले में थाना हरदीबाजार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चोढ़ा के ग्रामीणों द्वारा 19 अक्टूबर की रात्रि दशहरा उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आसपास क्षेत्र के लगभग 20 हजार की संख्या में लोग उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान थाना हरदीबाजार पुलिस द्वारा सायबर धोखाधड़ी मोबाईल एप (व्हाट्सअप, टेलीग्राम, फेसबुक), एटीएम से धोखाधड़ी, अंजान नंबर से फेसबुक विडियो कॉल, व्हाट्सअप विडियो कॉल नही उठाने, सोशल मीडिया पर अंजान व्यक्तियों से दोस्ती नही करने, ओटीपी नही बताने, शेयर मार्केट धोखाधड़ी, इत्यादि सायबर संबंधी ठगी से बचने के संबंध में विस्तार से जानकारी।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध- नशे से दूर रहने विद्यार्थियों को जागरूक किया

कोरबा । गवर्नमेंट मिडिल स्कूल सिंचाई कॉलोनी दर्री और गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल पीडब्ल्यूडी रामपुर में छात्र-छात्राओं को एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत विधिक जानकारी दी गई। साथ ही चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 में बच्चों के शोषण, अधिकारों के हनन के संबंध में किशोर न्याय अधिनियम, पाक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और बाल अपराधों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी दया तास महंत, सुरज देवांगन, चाइल्ड लाइन टीम से गणेश जायसवाल, गोपाल यादव, अशोक राजवाड़े, अनुराधा सिंह व स्कूल के शिक्षक उपस्थित रहे।

कोयला कर्मी के खाते से 1 लाख 65 हजार की हुई ठगी

मोबाइल चोरी कर घटना को दिया अंजाम

कोरबा । कोयला कर्मी की मोबाइल चोरी कर उसके खाते से एक लाख 65 हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। ठगी करने वाले कौन हैं और कहां के रहने वाले हैं यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन कोल कर्मी के खाते से यूपीआई के जरिए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया गया है। पुलिस अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि कोरबा-पश्चिम क्षेत्र दीपका के ग्रगतिनगर इलाके में रहने वाले ईश्वर प्रसाद साहू 16 अक्टूबर को सब्जी खरीदने के लिए दीपका के बुधवारी बाजार गए थे। बाजार में उनका मोबाइल चोरी हो गया। देर शाम श्री साहू मोबाइल चोरी की सूचना दीपका थाना में दर्ज कराई। अगले दिन श्री साहू ने अपने उसी मोबाइल नंबर को फिर से चालू कराया। इस बीच श्री साहू के मोबाइल पर 17 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच कई मैसेज आए। इसमें खाते से राशि अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किए जाने की जानकारी दी गई। यह देखकर श्री साहू घबरा गए और अपने बैंक से संपर्क किया। वहां से विवरण प्राप्त किया तो पता चला कि साहू के बैंक खाते से अलग-अलग खातों में 1 लाख 65 हजार रुपए ट्रांसफर हुआ है। उक्त सभी राशि यूपीआई के जरिए अलग-अलग लोगों के खाते में भेजी गई है।

घटना की जांच पुलिस कर रही है। इस बीच आशंका व्यक्त की जा रही है कि ठगों ने ईश्वर साहू के मोबाइल में लगे सिम की क्लोनिंग की और इसके जरिए उनके मोबाइल पर आने वाले ओटीपी को प्राप्त किया होगा। यहां इसके जरिए गिरोह अलग-अलग खाते में पैसा ट्रांसफर किया। ठगी को अंजाम देने के लिए गिरोह आए दिन नए-नए तरीके अपना रहा है। इससे लोग परेशान हैं।

सूची में नाम है या नहीं,मतदाता 23 तक कर सकेंगे जांच

कोरबा । आसन्न नगरीय निकाय चुनाव में आप मतदान से वंचित हो सकते हैं, अगर वार्ड की मतदाता सूची में आपका नाम नहीं है। यह जरूरी नहीं कि आपने विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में मतदान किया हो तो वार्ड की मतदाता सूची में भी आपका नाम दर्ज हो।

हालांकि वार्डों के लिए तैयार की गई प्रारंभिक मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम विधानसभा की मतदाता सूची से ही लिए गए हैं लेकिन वार्डों का परिसीमन के कारण वार्डों का क्षेत्र और विधानसभा/लोकसभा की मतदाता सूची के अनुसार अनुभाग भी बदला है। वार्डों के नाम व नंबर भी बदल गए हैं। ऐसे में मतदाताओं का वार्ड बदल जाने से, क्षेत्र बदल जाने से मतदाता सूची भी प्रभावित हुई है। वार्ड की मतदाता सूची विधानसभा की मतदाता सूची से बिल्कुल भिन्न होती है, ऐसे में यह जरूरी है कि आप अपना नाम वार्ड की मतदाता सूची में जरूर जांच लें। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत के मार्गदर्शन में सभी नगरीय निकायों के वार्डों में कैंप लगाया जा रहा है। संबंधित वार्ड की मतदाता सूची उस कैंप में संबंधित बीएलओ के पास मौजूद है। कैंप में जाकर मतदाता अपना और अपने परिवार के सदस्य मतदाताओं का नाम जांच सकता है। यदि मतदाता का नाम विधानसभा वाली मतदाता सूची में है लेकिन वार्ड की सूची अवलोकन करने पर नाम नहीं मिलता है तो तत्काल (प्रारूप-क) में उसे वांछित दस्तावेजों के साथ आवेदन करना होगा। नाम जोड़ने के लिए एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, उसका वोटर आईडी कार्ड की फोटो कॉपी, एक समर्थक जिसका कि उस वार्ड की मतदाता सूची में नाम हो, यह आवश्यक है। यदि किसी मतदाता का वार्ड परिसीमन के कारण चेंज हो गया है और उसका नाम पुराने वार्ड की सूची में शामिल है तो भी वह (प्रारूप-क) में आवेदन देकर नए परिसीमित वार्ड में अपना नाम ट्रांसफर करा सकता है। ऐसे मतदाता जो मृत्यु हो गए हैं या स्थाई रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं, अथवा किसी के नाम पर आक्षेप हो तो (प्रारूप-ग) में आवेदन कर उसका नाम विलोपित कराने के लिए आवेदन किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर संशोधन के लिए (प्रारूप-ख) में आवेदन वांछित दस्तावेज के साथ दिया जा सकता है। इस सब कार्यों के लिए 23 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक का अंतिम समय निर्धारित किया गया है। कोरबा जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत ने सभी नगरीय निकाय नगर पालिक निगम, नगर पालिका क्षेत्र के वार्डवासियों से अपील करते हुए कहा हैं कि वे गंभीरता से अपनी मतदाता सूची में नाम जरुर जांच लें। वार्डों को मतदाता सूची तैयार करने में चूंकि वार्ड बदले हैं इसलिए उनका नाम परिसीमित नए वार्ड की मतदाता सूची में भी हो सकता है

प्राचार्य के पदों पर पदोन्नति आदेश चुनाव से पहले जारी करें

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति एवं व्याख्याता पदोन्नति संघर्ष मोर्चा तथा छत्तीसगढ़ राज्य सर्वशासकीय सेवक अधिकारी-कर्मचारी पदोन्नति संघर्ष मोर्चा ने प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत कार्यरत हजारों नियमित व्याख्याता तथा प्रधान पाठकों की प्राचार्य पदोन्नति की आवाज को शासन तक पहुंचाने कारगर पहल की हैं। प्रदेश में विगत 11 वर्षों से 3500 से अधिक शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्राचार्य के रिक्त पदों पर पात्रता रखने वाले नियमित व्याख्याता तथा प्रधान पाठक माध्यमिक शाला (स्नातकोत्तर प्रशिक्षित) की प्राचार्य पद पर पदोन्नति नहीं हुई हैं। इस कड़ी में दिनांक 18.10.2024 को संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़, इंद्रावती भवन नया रायपुर में ज्ञापन सौंप कर ध्यान आकर्षित किया। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति एवं व्याख्याता पदोन्नति संघर्ष मोर्चा तथा छत्तीसगढ़ राज्य सर्वशासकीय सेवक अधिकारी - कर्मचारी पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक सतीश प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश में 11 वर्षों से प्राचार्य पदोन्नति का कार्य लंबित था। प्रदेश में नई सरकार के गठन होने के बाद से शिक्षा जगत में प्राचार्य पदोन्नति को लेकर नई उम्मीद उत्पन्न हुई हैं।

प्रदेश संयोजक सतीश प्रकाश सिंह ने कहा कि पूर्ण उम्मीद हैं कि स्कूल शिक्षा विभाग तथा लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में समुचित सुधार के लिए तथा प्राचार्य विहीन समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में पूर्णकालिक प्राचार्य की पदस्थापना के लिए सभी संवर्ग की वरिष्ठता सूची पूर्ण कर, प्राचार्य पदोन्नति की सम्पूर्ण विभागीय कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण कर प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जारी किये जाएंगे।

शासन से मांग की हैं कि प्रदेश के 3500 से अधिक शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में टी एवं ई संवर्ग के रिक्त प्राचार्य के पदों को विगत 11 वर्षों से प्राचार्य पदोन्नति से वंचित प्रदेश के सभी पात्रताधारी एवं निर्धारित अर्हता रखने वाले नियमित व्याख्याता, व्याख्याता एल.बी., प्रधान पाठक (माध्यमिक शाला स्नातकोत्तर प्रशिक्षित) की प्राचार्य पद पर शासन के नियमानुसार पदोन्नति की जावें, ताकि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में समुचित सुधार हो सकें। स्कूल शिक्षा विभाग में विगत 11 वर्षों से प्राचार्य पदोन्नति नहीं होने के कारण 3500 से अधिक शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल प्राचार्य विहीन हैं, जहां प्रभारियों के भरोसे काम चलाया जा रहा हैं।

एचटीपीएस में नवीन बिजली घर की स्थापना हुई विलंबित

कोरबा। केंद्र सरकार के 100 दिन के स्टार्टअप एजेंडे में होने पर भी एचटीपीपी कोरबा-पश्चिम का नया बिजली प्लांट का निर्माण शुरू नहीं हो सका है। जबकि इसकी आधारशिला अगस्त 2023 में रख चुके हैं। एक साल से अधिक का समय गुजर जाने के बाद भी केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिलने का अब भी इंतजार है। इधर चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में संयंत्र की पुरानी इकाईयों व डीएसपीएम के परफॉर्मेंस ने उत्पादन कंपनी के प्रदर्शन पर असर डाला है। राज्य बिजली उत्पादन कंपनी की सर्वाधिक क्षमता का एचटीपीपी पाँवर प्लांट है। 210 मेगावाट की चार इकाई और पहले चरण के विस्तार की 500 मेगावाट इकाई है। दूसरे चरण का विस्तार होना है। 660 मेगावाट की दो सुपर क्रिटिकल यूनिट लगेगी। इससे राज्य बिजली उत्पादन कंपनी की 1320 मेगावाट उत्पादन क्षमता बढ़ जाएगी। अभी एचटीपीपी, डीएसपीएम व मड़वा प्लांट को मिलाकर 2840 मेगावाट थर्मल संयंत्रों से बिजली उत्पादन की क्षमता है। चालू वित्त वर्ष में 210 मेगावाट की एचटीपीपी पाँवर प्लांट की चार पुरानी इकाईयों का नियमित चलाने बॉयलर ट्यूब लीकेज व अन्य तकनीकी खराबी आने से चुनौतियां सामने आई। इस कारण पहली छमाही में उत्पादन कंपनी का बिजली उत्पादन 10289 मिलियन यूनिट के मुकाबले 9181.82 मिलियन यूनिट दर्ज हुआ है। जिसका पीएलएफ 73.61 फीसदी रहा। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की समान अवधि में उत्पादन 10311.58 मिलियन यूनिट था। कंपनी का बीते साल पीएलएफ 82.67 फीसदी था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से सितंबर तक पहली छमाही में डीएसपीएम का 1756.53 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन हुआ है। जबकि लक्ष्य 1768 मिलियन यूनिट का था। जबकि बीते वर्ष समान अवधि में डीएसपीएम का 2018.93 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन हुआ था। संयंत्र का पीएलएफ भी गिरा है। कोरबा पश्चिम को पहली छमाही में 5031 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का लक्ष्य था। लेकिन 3866.71 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन हुआ। मड़वा संयंत्र ने 3490 मिलियन यूनिट के लक्ष्य से 3558.58 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन किया। लेकिन बीते साल का 3667.38 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन अधिक रहा। संयंत्र का पीएलएफ 81.02 प्रतिशत रहा जो लक्ष्य 79.46 प्रतिशत से अधिक है।

क्रीड़ा स्पर्धा आज से

कोरबा । स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ सीएसईबी पूर्व फुटबॉल मैदान में प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कोरबा लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायकगण श्री प्रेमचंद पटेल, श्री फूल सिंह राठिया, श्री तुलेश्वर मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छपला सिंह कँवर, महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्री श्यामसुंदर सोनी,पार्षद श्री धनसाय साहू शामिल होंगे। चार दिवसीय राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 21 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2024 तक किया जाएगा। इसमें क्रिकेट बालक/बालिका 19 वर्ष, एवं नेटबॉल बालक/ बालिका 14, 17, 19 वर्ष स्तरीय अधिकारी शामिल होंगे।

नैतिकता है शिक्षा की नींव, जो जीवन को बनाए पूर्ण और ईमानदार : गुप्ता

कोरबा। नाटक केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं, बल्कि इससे युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ संस्कार और परंपराएं जानने का अवसर मिलता है।वर्तमान में एकल परिवार होने के कारण लोग अपनी-अपनी जिम्मेदारी में व्यस्त हैं। ऐसे में नाट्य विधा और रंगमंच की भूमिका महत्वपूर्ण है। हमारा दायित्व है कि हम युवाओं को अपनी देश की संस्कृति और परंपराओं को नाटक के माध्यम से बताएं। नाटक केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं, बल्कि इससे युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ संस्कार और परंपराएं जानने का अवसर मिलता है। इससे युवा परंपराओं के साथ आदर, प्रेम की शिक्षा ग्रहण करते हैं। नाट्य विधा का वर्तमान समय में सबसे ज्यादा महत्व है। नाट्य ही समाज को नई दिशा देने का काम करता है। इसके द्वारा हम समाज को शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति के बारे में बताते हैं। संस्कृति और परंपराओं को बताने के लिए रंगमंच एक सशक्त माध्यम है। इंडस पब्लिक स्कूल दीपका में सीसीए एक्टिविटी के अंतर्गत* स्किट कॉम्पटीशन का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के प्राइमरी क्लासेस के स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया। प्रतियोगिता में अलग-अलग हाउस के बच्चों ने भाग लिया । सभी हाउस के प्रतियोगियों को अलग-अलग थीम प्रदान किया गया था। स्पर्धा बहुत जबरदस्त थी। सभी हाउस के स्टूडेंट्स ने अपनी एक्टिंग स्किल का बेहतरीन नमूना मंच पर प्रदर्शित किया। विजेता *टोपाज हाउस ने* सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव* थीम पर प्रभावी एक्टिंग कर लोगों का दिन जीत लिया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। टोपाज हाउस के विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से बताया कि किस प्रकार हम अपनों के बीच रह करे भी अपनों को समय नहीं दे पा रहे हैं ,हमारा पूरा समय सोशल मीडिया के तंत्र जाल में उलझ कर रह जाता है और हम अपनों के मध्य रहकर ही अपनों से दूर होते चले जा रहे हैं ,द्वितीय स्थान पर रहे सफायर हाउस के विद्यार्थियों ने* अभिनय के माध्यम से संदेश दिया कि मानव जीवन में दया का हमेशा से महत्व रहा है ,मानव होकर हमें मानवता अवश्य होनी चाहिए और दया का फल हमेशा मीठा और प्रभावी होता है। हम अपने व्यवहारों से ही दूसरों का दिल जीत सकते हैं ,हमें किसी के भी साथ वह व्यवहार नहीं करना चाहिए जो व्यवहार हमें स्वयं के लिए पसंद नहीं है।स्किट कॉम्पटीशन में तृतीय स्थान प्राप्त किया रूबी हाउस ने।* रूबी हाउस के विद्यार्थियों ने भी अपनी अभिनय शैली में जान डाल दी सोशल मीडिया का मानव जीवन पर सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव को बहुत ही सुंदर ढंग से अभिनय शैली में मंचन किया इन विद्यार्थियों ने।पूरी प्रतियोगिता के आयोजन में सीसीए प्रभारी सुश्री मौसमी एवं खुशबू के साथ ही सभी सदन प्रमुखों का विशेष योगदान रहा।

विद्यार्थियों ने स्किट कॉम्पटीशन का भरपूर आनंद उठाया। अलग-अलग किरदारों के हिसाब से विद्यार्थियों की वेशभूषा भी काबिले तारीफ थी।विद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गुप्ता ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि चूँकि नाटक और रंगमंच दोनों ही समूह कला रूप हैं, इसलिए प्रतिभागियों के बीच व्यक्तिगत कौशल का निर्माण करना महत्वपूर्ण है। यदि पारस्परिक विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता है, तो कलाकृति अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुँच पाएगी।नाटक में अब्य काव्य से अधिक रमणीयता होती है। अब्य काव्य होने के कारण यह लोक चेतना से अपेक्षाकृत अधिक घनिष्ठ रूप से संबद्ध है। नाट्यशास्त्र में लोक चेतना को नाटक के लेखन और मंचन की मूल प्रेरणा माना गया है। भारतीय नाटक का एक दृश्य काव्य है।नाटक के ज़रिए हम समाज को भारतीय संस्कृति और परंपराओं के बारे में बता सकते हैं।नाटक में भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलता है।

नाटक में भाग लेने से छात्रों को नए तरीके से संवाद करने और समझने में मदद मिलती है।नाटक में भाग लेने से छात्रों की भावनाओं, विचारों, और सपनों के लिए एक आउटलेट मिलता है।नाटक से हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में समझने में मदद मिलती है। इसके साथ ही नाटक से मनुष्य में नैतिक मूल्यों का विकास होता है।

अधिवक्ता धनेश सिंह की मांग पर संज्ञान

कोरबा। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए शहर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता धनेश सिंह ने नगर निगम एवं यातायात विभाग का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया था. जिस पर संज्ञान लेते हुए यातायात विभाग के द्वारा पूरे शहर में अलग-अलग पॉइंट बनाकर विभाग के कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है जिससे कि त्योहारों के दौरान खरीदारी के लिए लोगों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े एवं शहर की यातायात सुचारू रूप से संचालित रहे. अधिवक्ता धनेश सिंह ने बताया कि शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उन्होंने नगर निगम तथा यातायात विभाग से पत्राचार कर त्योहारों के दौरान व्यवस्था सुधारने की गुजारिश की थी. अपने पत्र में शहर में कुछ मुक्ति मार्ग में लग रहे जाम को उन्होंने प्रमुखता से रखा था जिस पर यातायात विभाग की ओर से संज्ञान लेकर विभाग के कर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है.अधिवक्ता धनेश सिंह में कोरबा के व्यापारियों से भी निवेदन किया है कि अपनी दुकान की सीमा तक ही सामानों को व्यवस्थित करें सड़क पर बेचजह सामानों को रखकर यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न ना करें.

बिजली की चपेट में आने से ग्रामीण की हुई मृत्यु

कोरबा । कोरबा जिले के कटघोरा थानांतर्गत ग्राम रजकमा मदनपुर क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने की घटना में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई। घटना के समय ग्रामीण मवेशियों को लेकर चराने के लिए जंगल गया हुआ था।

आकस्मिक मृत्यु के 8 प्रकरणों में 32 लाख रुपए स्वीकृत

जांजगीर चांपा। कलेक्टर ने आपदा मृत्यु के 8 प्रकरणों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत चार-चार लाख रुपए के मान से कुल 32 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृति दी है। जिले की तहसील अकलतरा के ग्राम पंचायत तरौद निवासी नरसिंग सकट की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी मां श्रीमती आबी बाई, अकलतरा निवासी आकाश श्रीवास की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके निकटतम वारिस श्रीमती राधा श्रीवास, तहसील बलौदा के ग्राम पंचायत कण्डरा निवासी भिखारी लाल की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती सुशीला बाई, तहसील जांजगीर के ग्राम पंचायत तेन्दुभांठा निवासी तमन्ना चौहान की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर मां श्रीमती शांति बाई चौहान, ग्राम पंचायत उदेबंद निवासी जोईधाराम केंवट की लू लगने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती खिखुल बाई, तहसील बम्हनीडीह के ग्राम बिर्रा निवासी आनंद राम पटेल की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती जगमति, तहसील नवागढ़ के ग्राम पंचायत बरबसपुर निवासी समीर पटेल की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके निकटतम वारिस राम कुमार पटेल एवं तहसील पामगढ़ के ग्राम पंचायत भैंसो निवासी साक्षी मानिकपुरी की सर्पदंश से मृत्यु होने पर उनके निकटतम वारिस सुरेश दास को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

डॉ. महंत ने राकेश को बनाया उद्योग विभाग का प्रतिनिधि

सक्ती। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सक्ती जिला अंतर्गत वाणिज्य और उद्योग विभाग की बैठकों में शामिल होने के लिए राकेश राठौर निवासी वार्ड नंबर 14 बाराद्वार रोड को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर सक्ती को पत्र लिखकर सूचना दी है। नियुक्ति पर राकेश राठौर ने डॉ. महंत का आभार व्यक्त किया है।

तीन महिलाओं की ट्रेलर की चपेट में आने से मौके पर मौत

बाराद्वार। मार्निंग वॉक पर निकली तीन महिलाओं को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैलर ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क हादसा बाराद्वार थाना क्षेत्र के मुक्ताराजा नेशनल हाइवे पर हुआ।

इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुक्ताराज निवासी बिंदिया बरेठ पिता श्याम प्रसाद बरेठ उम्र 21 वर्ष, उसकी भाभी अकांक्षा बरेठ पति युवराज बरेत उम्र 22 वर्ष तथा उनको पड़ोसी सीमा भैना पिता कैलाश भेना उम्र 21 वर्ष रविवार 20 अक्टूबर की सुबह पांच बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। वे नेशनल हाईवे में पैदल टहल रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रेलर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। तीनों को गंभीर चोट आई और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। इधर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। एक साथ तीन मौत से लोग आक्रोशित होने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस बल भी कुछ देर बाद मौके पर पहुंच गई। नगर पंचायत उपाध्यक्ष विजय सूर्यवंशी और एस आई अनवर अली ने स्थिति को देखते हुए पिड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और मौके से लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जिस प्रकार से लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई थी उससे चक्काजाम की स्थिति बनते नजर आ रही थी। चूंकि लगभग एक वर्ष पहले ही सीमा भैना की छोटी बहन को मुक्ताराजा बस स्टैंड के पास एक ट्रेलर ने अपनी चपेट में ले लिया था जिससे उसकी मौत हो गई थी। कैलाश भैना नगर पंचायत के पूर्व पार्षद भी रहे हैं उनकी चार लड़कियां थी जिसमें सबसे

छोटी बेटी का एक वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में और तीसरी लड़की सीमा मैना की सड़क दुर्घटना में रविवार को मौत हो गई। बिंदिया और सीमा सहेली थी और दोनों पढ़ाई में अच्छी थी। साथ ही दोनों आरक्षक भर्ती की तैयारी में जुटी थी। सुबह दोनों दौड़ की तैयारी करती। थी। मुक्ताराजा सहित पूरे नगर में एक साथ तीन मौत होने से पूरा नगर गमगीन है।

बाराद्वार क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही लगातार होती रहती है। मगर समेत क्षेत्र में भी बड़े वाहनों में लेकर छोटे वाहन वाले आवधिक गति से चलते है जिससे सड़क के बाद से दुर्घना बढ़ी है। नेशनल हाईवे के ठेकेदार के द्वार जिसते दफन चालकों को जानकारी ही नहीं हो पाता है कि आगे आबादी क्षेत्र है साथ ही स्पीड केदार होने कमी आएगी। मुख्य चौकों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है । लोकसभा चुनाव के समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एस पी अंकिता शर्मा से मुलाकात कर स्पीड ब्रेकर तया सीसीटीवी की नगर में आवश्यकता को बताया था जिस पर उन्होंने साजे में उस समय पदस्थ निरीक्षक वाजपेई को इस हेतु प्रयास करने के लिए कहा गया था. लेकिन नतीजा आज तक कुछ नहीं निकला है, जिससे सड़क दुघर्टना में लोगों की जान जा रही है।

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय धमनी में हुआ मेगा पीटीएम

हसौद । शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय धमनी में 18 अक्टूबर शुक्रवार को मेगा पीटीएम बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में मुख्य रूप से शैक्षिक समन्वयक संकुल केंद्र हसौद विश्वनाथ प्रताप टंडन व शाला के प्रभारी प्रधान पाठक जगजीवन प्रसाद जांगड़े सहित विद्यालय के सभी शिक्षक तथा पालकगण उपस्थित हुए । नवाचारी शिक्षक जगजीवन प्रसाद जांगड़े ने बताया कि इस पीटीएम का प्रमुख उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा पालकों व शिक्षकों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना साथ ही पालकों को बच्चों की गतिविधियों से अवगत कराना था। सीएसी विश्वनाथ प्रताप टंडन द्वारा बैठक की रूपरेखा को रेखांकित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के विकास हेतु पालकों को सजग रहना होगा शिक्षकों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। शिक्षक हेरोद कुमार भारद्वाज द्वारा सभी कक्षाओं के विषय को तिमाही परीक्षा का परीक्षा परिणाम पालकों को बताया गया साथ ही उत्तर पुस्तिका भी बतलाया गया जिससे सभी पालक में काफी उत्साह व रुचि देखने को मिला। सभी अपने - अपने बच्चों के प्राप्तांक देखकर प्रफुल्लित हुए तथा कमजोर छात्र को और अच्छे से मेहनत करने के लिए कहा गया।

हथनेवरा में श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का आगाज

जांजगीर-चांपा। हथनेवरा में रविवार 20 अक्टुबर को कलश स्थापना के साथ श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का आगाज हो गया। इस धार्मिक आयोजन का समापन 28 अक्टुबर को तुलसी वर्षा और पूर्णाहूति के साथ होगा। हथनेवरा में स्व. डॉ. जवाहर सिंह बैस के निवास में श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत 20 अक्टुबर को हुई। कथा ब्यास भैसमुड़ी वाले पंडित योगेश चतुर्वेदी ने विधि विधान से श्रीमद् भागवत सप्ताह का आगाज किया। सोमवार 21 अक्टूबर को सुकदेव चरित्र और परीक्षित जन्म की कथा सुनाई जाएगी। मंगलवार 22 अक्टूबर को कपिल अवतार, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र का वर्णन किया जाएगा। बुधवार 23 अक्टुबर को जड़ भरत चरित्र और प्रहलाद चरित्र की कथा होगी। वहीं गुरुवार 24 अक्टुबर को गजेन्द्र मोक्ष, वामन अवतार, रामचरित्र एवं कृष्ण जन्मोत्सव होगा। शुक्रवार 25 अक्टुबर को कृष्णलीला, शनिवार 26 अक्टूबर को सुदामा चरित्र की कथा होगी। रविवार 27 अक्टूबर को परीक्षित मोक्ष की कथा के साथ विश्राम होगा, वहीं सोमवार 28 अक्टूबर को तुलसी वर्षा और पूर्णाहूति के साथ इस धार्मिक आयोजन का समापन होगा।

महिला की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

अकलतरा। ग्राम मुरलीडीह में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में रविवार को मौत हो गई। महिला के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

इस संबंध में यह जानकारी मिली कि ग्राम रिस्दा निवासी वलीराम राम जांगड़े की पुत्री धनेश्वरी की शादी 6 वर्ष पूर्व ग्राम मुरलीडीह निवासी सत्यम कोसरे से हुई थी। सत्यम कोसरे शराब एवं जूए का आदी था तथा आए दिन वह शराब के नशे में अपने पत्नी से मारपीट किया करता था। इस बात को लेकर धनेश्वरी कोसरे कई बार ससुराल को छोड़कर अपने मायके जा चुकी थी। 2023 में सत्यम एवं धनेश्वरी के बीच चार ग्रवाहों के हस्ताक्षर के साथ स्टांप पेपर में समझौता नामा भी हुआ था जिसमें सत्यम कोसरे के द्वारा भविष्य में कभी शराब एवं जुआ नहीं खेलने का वादा किया गया था एवं धनेश्वरी कोसरे के साथ कुछ घटना होने पर उसकी जिम्मेदारी लेने की बात कही गई थी। रविवार 20 अक्टुबर की शाम 4:30 बजे सत्यम कोसरे के द्वारा अपनी पत्नी धनेश्वरी कोसरे को संदिग्ध परिस्थितियों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया एवं अस्पताल में बताया गया कि उसकी पत्नी फांसी का फंदा लगाकर झूल रही थी। इस बीच वह पहुंच गया एवं फांसी के फंदे को निकाल कर वह उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया है। चिकित्सकों ने धनेश्वरी का निरीक्षण के पश्चात मृतका के पिता बलीराम जांगड़े के द्वारा सत्यम कोसरे पर आरोप लगाया है कि उसकी पुत्री की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए फांसी के फंदे पर लटकाया गया है। घटना की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार शालिनी तिवारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची एवं पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेजा गया। 21 अक्टूबर को मृतिका के शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। इस संबंध में थाना प्रभारी मणिकांत पांडे का कहना है कि धनेश्वरी कोसरे के गले में फांसी के फंदे एवं हाथ में चोट का निशान दिखाई दे रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला के मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

निष्क्रिय हुए ट्राफिक सिग्नल, व्यवस्था बाधित

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय, जांजगीर की ट्रैफिक सिग्नल व्यवस्था बदहाल हो चुकी है, जिसके चलते ई आवागमन करने वाले आम लोगों सहित वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। इस पर व्यवस्था बनाने को लेकर जिम्मेदार विभाग का महकमा ध्यान तक नही दे रहे है।

गौरतलब है कि जांजगीर शहर की ट्रैफिक सिग्नल व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। शहर के - कचहरी चौक, नेताजी चौक सहित अन्य जगहों पर लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल मशीन खराब हो चुके है। जिसके चलते अकलतरा, केरा, चाम्पा, बलौदा, बिलासपुर सहीत अन्य मार्गो की ओर आने जाने वाले आम लोगों के साथ वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस तरह की समस्या आए दिन बनी रहती है। इन सबके बावजूद सिग्नल व्यवस्था बनाने की ओर ध्यान तक नही दिया जा रहा है, जिसका खामियाजा वाहन चालक सहित आम लोगों को

भुगतना पड़ रहा है। खासकर शाम ढलते ही शहर के केरा रोड, नेता जी चौक, कचहरी चौक, सहीत अन्य स्थानो पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। इसके अलावा शहर में लोग सामानो की खरीदी करने के लिए बड़े पैमाने पर आना जाना करते है।

इस दौरान अपने वाहन सड़क के किनारे ही खड़ा कर देते है, जिसके चलते पुलिस प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। शाम के समय ट्रैफिक व्यवस्था बनाने को लेकर पुलिस एवं यातायात विभाग से जुडे अफसरो की टीम पेट्रोलिंग करने के लिए निकलती है। वहीं इस दौरान व्यापारियो के साथ लोगों को अपने वाहन सड़क किनारे मुख्य मार्ग पर नही रखने की समझाइश भी दी जाती है। बावजूद इसके कई लोग ट्रैफिक सिग्नल एवं यातायात नियमों की अनदेखी कर देते है।

बनायेंगे व्यवस्था

शहर में ट्रैफिक सिग्नल खराब हो जाने को लेकर यातायात प्रभारी से जानकारी मंगाई जाएगी। इसके बाद जानकारी लेकर व्यवस्था बनाई जाएगी।

-राजेन्द्र जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा

चंद्रमा का दर्शन कर उपवास तोड़ा व्रतियों ने

बिलासपुर। जिले में रविवार को सुहागिनों का प्रतीक करवा चौथ पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने पति की लंबी उम्र की कामना की। फिर रात में चंद्रोदय पर अर्ध्य देकर महिलाओं ने छलनी से चंद्रमा का दर्शन किया। शहर सहित जिले में बदली की वजह से सुहागिन महिलाएं निराश हुईं और उन्हें चांद नजर नहीं आया। हालांकि, महिलाओं ने पूजा की थाली सजा कर भोग लगाया। पति ने पत्नी को शर्बत पिलाकर निर्जला व्रत का पारण कराया।

करवा चौथ व्रत पति-पत्नी के अटूट प्रेम का प्रतीक है। सुहागिन महिलाएं साल भर इस पर्व का बेसब्री से इंतजार करती हैं।

कलश यात्रा के साथ रिगनी में अखंड नवधा रामायण शुरू हुआ

रिगनी-खरौद। अखंड नवधा रामायण समिति रिगनी के तत्वावधान में अखंड नवधा रामायण का आयोजन किया जा रहा है। नवधा का प्रारंभ कलश यात्रा के साथ हो गया। शुभारंभ भव्य कलश यात्रा से हुआ। इसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लया। माताओं-बहनों ने सिर पर कलश धारण किया था, जो आम पत्रों व नारियल से सजाया गया था। मानस मंच से जय श्रीराम का नारा लगाते हुए समिति के सदस्यों ने संगीतमय वातावरण में रिंगनी के विभिन्न गली गुड़ी चौक से प्रारंभ होकर बीच बस्ती होते हुए सड़क पारा बाजार चौक, सर्वमंगला मंदिर ठाकुर देवता हुए भ्रमण किया।

उसके बाद तालाब से जल भर कर फिर वापस होते समय जगह-जगह कलश यात्रा का स्वागत और पूजा किया। इस यात्रा में ग्रामीणों को श्रीराम के भजन, प्रवचन सुनाया गया। सुघ्घर गांव बनाबो के ध्येय को ध्यान में रखकर अखंड नवधा रामायण का आयोजन हुआ। समिति के अध्यक्ष फेंकूराम कश्यप के मार्गदर्शन में आयोजित नवधा में दूर-दराज से भजन मंडली आने की संभावना है। गांव के बच्चों, माताओं बहनों में भरपूर उत्साह है।

नारायणन चंदेल झारखंड रवाना

जांजगीर नैला । विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता नारायण चंदेल आज झारखण्ड विधानसभा के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याषियों के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए जमशेदपुर टाटानगर रवाना हुए। उनके साथ कार्यकर्ताओं की टीम जमशेदपुर गए है। झारखण्ड विधानसभा के 4 विधानसभा बहरागोड़ा, घाटशिला पोटका और जुगसलाई विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल को भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने कलस्टर प्रभारी बनाया है। उन्हें 4 विधानसभा की जिम्मेदारी पार्टी हाई कमान ने सौंपा है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल आज झारखण्ड पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के लिए बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका और जुगसलाई क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं एवं प्रमुख नेताओं व जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर चुनाव की रणनीति पर विचार- विमर्श किए। चंदेल के साथ जिला भाजपा उपाध्यक्ष विवेका गोपाल सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता झारखण्ड गए हैं।

मड़वा पावर प्लांट के भूविस्थापित बैठे धरने पर

चांपा। मड़वा ताप विद्युत कामगार एवं भू-विस्थापित श्रमिक संघ एटक संगठन एटक से संबद्ध के द्वारा भू- विस्थापितों को नौकरी दो, की मांग को लेकर चरणबद्ध अनिश्चित कालीन हड़ताल 20 अक्टूबर को सातवां दिन भी लगातार भू-विस्थापितों की उपस्थिति बराबर बनी हुई है। भू-विस्थापित अपने मांग के प्रति जागरूक हो चूकें हैं अपने हक अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं। एटक के बैनर तले भू-विस्थापितों की मांग को उठाया गया। आज छत्तीसगढ़ राज्य एटक अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के महामंत्री हरिनाथ सिंह एवं एटक जिला परिषद के उपाध्यक्ष महेशराज सिंह बनाफर अकलतरा चरणबद्ध अनिश्चित कालीन हड़ताल को समर्थन देने धरना स्थल अटल बिहारी बाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र के प्रवेश द्वार चौक दर्राभांठा चांपा में शामिल हुए।

नशे के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन स्ट्रीट

बिलासपुर। नशे के खिलाफ पुलिस ने 'ऑपरेशन स्ट्रीट'के अंतर्गत सभी थाना क्षेत्रों की टीम को सड़कों पर उतारा। इस दौरान 10 से अधिक स्थानों पर दबिश दी गई और 8 गुंडा बदमाश, 4 निगरानीशुदा, 55 संदेहियों से पूछताछ की गई, जिनमें से दो के पास से हथियार बरामद हुए। पुलिस ने 5 से अधिक लोगों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करने का दावा किया है।

अनाचार की घटना को अंजाम देने के मामले में पुलिस ने दबोचा सौतेले पिता को

जांजगीर चांपा। दो साल की मासूम के साथ हुए दुष्कर्म के मामले सौतेला पिता ही आरोपित निकला है। कोतवाली पुलिस ने आरोपित को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम को एक दो साल की मासूम बच्ची अपने घर के सामने खेल रही थी।

इस दौरान बच्ची को उसका सौतेला पिता बहला फुसलाकर अपने साथ सुने स्थान शांतिनगर जहां कचरा डंप होता है वहां पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। मासूम को वहीं झाडियों में छोडकर आ गया। इस दौरान वहां मौजूद कुछ युवकों ने देखा तो वे बच्ची को लेकर उसके घर पहुंचे और स्वजन को साथ लेकर थाना आए और इसकी जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस ने रात में ही आरोपित सौतेला पिता को गिरफ्तार कर लिया और रविवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।बताया जा रहा है कि मासूम बच्ची की मां उसे उसकी नानी के पास छोडकर दूसरा पति बनाकर फरार हो गई है। मासूम बच्ची बचपन से ही कुपोषित है बूढी नानी ही उसकी देखभाल करती है।

मड़वा प्लांट के सामने भू-विस्थापितों का आंदोलन जारी

जांजगीर। मड़वा ताप विद्युत कामगार और भू-विस्थापित श्रमिक संघ द्वारा भू-विस्थापितों को नौकरी देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। 20 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ राज्य एटक के महामंत्री हरिनाथ सिंह और जिला परिषद के उपाध्यक्ष महेशराज सिंह बनाफर अनिश्चितकालीन हड़ताल को समर्थन देते हुए धरने में शामिल हुए। महासचिव सिंह ने कहा कि सभी भू-विस्थापितों द्वारा अपने हक की लड़ाई लड़ी जा रही है, वो सराहनीय कदम है।

आप सभी शांति भाव से अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। सभी को सफलता जरूर मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य एटक आप के आंदोलन का समर्थन करता है और जब भी आवश्यकता होगी।

जब तक आपको नौकरी नहीं मिल जाती, हम आप सभी के साथ खड़े रहेंगे। वहीं बनाफर ने कहा कि हम सभी जिला परिषद के साथियों का भी सहयोग आप के साथ है। आपकी लड़ाई कठिन जरूर है, पर सफलता जरूर मिलेगी। इस अवसर पर जिला सचिव राजेश शुक्ला, अध्यक्ष सुधीर यादव, रघुनंदन सोनी, श्याम कुमार बरेठ, लोचन, अनुराधा शुक्ला, आशा सोनी, रानू वैष्णव, नसीम बानो, संगीता सावरकर, जानकी पटेल, नवधा बरेठ,शिवनाथ बरेठ, सरजू बरेठ, लक्ष्मीनारायण साहू, अनंद राम साहू व अन्य उपस्थित थे।

पिकनिक स्पॉट में हादसा, दो युवक लापता

जांजगीर चांपा । बलौदा थाना क्षेत्र के पिकनिक स्पॉट में फिर एक दर्दनाक घटना हो गई। जिसमें दो युवक पानी की तेज बहाव में बह गए। दोनों युवकों को ढूंढने पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर डटी हुई है। दोनों का सुराग नहीं लगा आपको बता दें कि 14 जुलाई 2024 को ही बिलासपुर के एक युवक पिकनिक मनाने के फेर में इसी पिकनिक स्पॉट में बह गया था। इस घटना को लोग भूल भी नहीं थे। पाए फिर उसी स्थान पर रविवार को दो युवक फिर बह गए। उन्हें ढूंढने का क्रम जारी है।

पहले अपने स्तर से ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन वे मिले नहीं। आखिरकार उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल एसडीआरएफ की टीम को सूचना

देवरी चिचोली पिकनिक स्पॉट मौत का स्पॉट बन चुका है। यहां हर साल एक से दो लोगों की मौत होती है। बीते वर्ष कोरबा के युवक की मौत हुई थी। तत्कालीन एसपी विजय अग्रवाल ने मौके पर डेंजर जोन बताकर कई सूचना पटल लगवाया था। जिसमें खतरे का निशान सहित कई सूचनात्मक जानकारी दी थी। बावजूद आज कल के युवा पुलिस द्वारा दी गई चेतावनी को हल्के में लेकर गहरे पानी में भी उछलकूद करते हैं। नतीजा गहरे पानी में डूबने के बाद निकल नहीं पाते। नतीजा घर का चिराग बुझ जाता है।

रोड ओव्हर ब्रिज तक पर्याप्त चौड़ी सड़क की जाएगी तैयार

जांजगीर-चांपा। आखिरकारअतिक्रमण हटाने के बाद अब जाकर बीटीआई चौक से खोखसा आरओबी तक सड़क चौड़ीकरण की राह खुल गई है। यहां पर 2 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से 15 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण होगा। रोड डिवाइडर के साथ चौड़ीकरण का काम होगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने डीएमएफ से राशि मंजूर की है। इसके बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने टेंडर की प्रक्रिया कर दी है और निविदा के लिए रायपुर हेड आफिस भेज गया है। वहां से टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण दो माह के भीतर शुरू कराने की बात कही जा रही है। सड़क चौड़ीकरण हो जाने से आवागमन सुलभ हो जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले साल जिला प्रशासन के निर्देश पर विस चुनाव के पहले शहर में अतिक्रमण हटाने जोर-शोर से अभियान चलाया गया था। इसमें नेताजी चौक से कचहरी चौक तक अतिक्रमण हटाने के बाद दोनों ओर सड़क डिवाइडर का निर्माण कराया। पेवर ब्लॉक का काम चल रहा है। बहीं बीटीआई चौक से खोखसा ओवरब्रिज तक भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई लेकिन चौड़ीकरण का काम नहीं हो रहा था। समय पर टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो जाती है तो दो माह के बाद इस सड़क की तस्वीर भी बदल जाएगी।

इस संबंध में पीडब्ल्यूडी विभाग के ईई लहरे ने बताया कि बीटीआई चौक से खोखसा ओवरब्रिज के बीच डेढ़ किमी तक सड़क चौड़ीकरण और साथ में डिवाइडर का निर्माण होना है। दोनों ओर सात- सात मीटर सड़क चौड़ी होगी और बीच में डिवाइडर का निर्माण होगा। इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर टेंडर रायपुर कार्यालय भेजा जा चुका है। वहां से टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होगी। सब कुछ सही रहा तो दो माह के बाद काम भी शुरू हो जाएगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन को दी एक सप्ताह की मोहलत

बलौदा। नो एंट्री के मामले में ग्रामीणों ने प्रशासन को एक सप्ताह की मोहलत दी है। जिला प्रशासन ने बलौदा थाना से नैला तक भारी वाहनों के लिए सुबह 8 से 11 बजे और शाम 3 से 8 बजे तक के लिए नो एंट्री लागू किया है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहन कोरबी गांव के स्कूल, आंगनबाड़ी, अस्पताल व रिहायशी स्थानों से होते हुए बलौदा नैला की ओर जाते हैं। प्रशासन ने सिर्फ कोरबी को नो एंट्री से वंचित किया। इस संबंध में प्रशासन के साथ हुई बैठक में अफसरों ने पानी के छिड़काव व सड़क की मरम्मत के आश्वासन दिया। इस पर ग्रामीणों ने चक्काजाम आंदोलन को एक सप्ताह टालने का फैसला लिया है।

दिवाली के पहले शुरू हुआ बिजली विभाग का मेंटेनेंस, 3 घंटा प्रभावित होगी सप्लाई

रायगढ। दीपावली पर्व से पहले बिजली विभाग द्वारा मेंटनेंस का काम शुरू कर दिया गया है। शहर के विभिन्न वार्डों में सुबह 10 से लेकर डेढ़ बजे तक मेंटनेंस के कारण बिजली प्रभावित होगी। बारिश के बाद खंभों व तार के आसपास पेड़ों की टहनियां पहुंच गई हैं।

कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करने 2 दिन बिलासपुर में रहेंगे जांगिड़:निकाय-चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

बिलासपुर। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के सह प्रभारी विजय जांगिड़ 21 से 22 अक्टूबर बिलासपुर में रहेंगे। शहर और जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

इसमें वह भाजपा सरकार की नाकामी को मजबूती से रखने के साथ ही कार्यकर्ताओं को रिचार्ज कर चुनाव में जीत का टिप्स देंगे। इस बैठक में कांग्रेस कमेटी के जिला प्रभारी सुबोध हरितवाल भी मौजूद रहेंगे।

दरअसल, नगरीय निकाय चुनाव की प्रशासनिक तैयारियों के साथ ही कांग्रेस में भी सरगर्मी बढ़ गई है। इसके चलते अब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने प्रदेश का दौरा शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ रायपुर दक्षिण में विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी चल रही है, जिसमें कांग्रेस के दिग्गज गुटबाजी को भुलाकर एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में दमखम के साथ उतरने की रणनीति बना रहे हैं। साथ-साथ नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर भी कांग्रेस के दिग्गज तैयारी में है।

छत्तीसगढ़ के सह प्रभारी विजय जांगिड़ 21 अक्टूबर को कांग्रेस में भवन में शहर कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले विधानसभा के कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इसे शहर कांग्रेस कमेटी की विस्तारित बैठक माना जा रहा है।

जांगिड़ दोपहर 12 बजे से बैठक लेंगे और विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद निराश कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करेंगे। इस बैठक की जिम्मेदारी शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय पांडेय को दी गई है।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हार के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ ही नेता लगातार सरकार की खिलाफत कर मजबूत विपक्ष की भूमिका में है। लगातार विरोध-प्रदर्शन कर लोगों के बीच अपनी उपस्थिति दिखाने की कोशिश भी की जा रही है।

ऐसे में नगरीय निकाय चुनाव मैदान में कांग्रेस के दिग्गज भाजपा सरकार की नाकामियों को लेकर उतरने की रणनीति में है। इससे पहले पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को एकजूट करना जरूरी है। विजय जांगिड़ 22 अक्टूबर को जिले के ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले विधानसभाओं को ध्यान में रखकर बैठक लेंगे।

ये बैठक भी दोपहर 12 बजे शुरू होगी। इस बैठक में ज्यादा नेताओं व कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है, क्योंकि ग्रामीण इलाके में ज्यादा विधानसभा आते हैं। इस बैठक की जवाबदारी ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय केशरवानी की रहेगी।

सह प्रभारी जांगिड़ के दौरा निकाय चुनाव के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद ही पार्टी में इलेक्शन की तैयारी शुरू होगी। अभी निकाय चुनाव को लेकर पार्टी में तैयारी शुरू नहीं हुई है। माना जा रहा है कि विजय जांगिड़ ब्लॉक कमेटियों को मजबूत बनाने के लिए बैठक लेंगे।

इस दौरान चुनाव में उम्मीदवारी से पहले पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को गुटबाजी व मतभेद भुला कर काम करने की नसीहत भी देंगे। दरअसल, पिछली बार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने का फायदा नगरीय निकाय के साथ ही पंचायत चुनाव में कांग्रेस को मिला था। लेकिन, इस बार हाथ में सत्ता नहीं है और भाजपा की सरकार है। ऐसे में पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को ज्यादा मजबूती के साथ काम करना होगा।

निधन

श्रीमती नम्रता सिंह

अकलतरा। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ के सेवानिवृत्ति उपसंचालक राहुल कुमार सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती नम्रता सिंह का 58 वर्ष की उम्र में बेंगलुरु में 20 अक्टूबर को निधन हो गया है। उनका विवाह 1987 में राहुल कुमार सिंह से हुआ था। वे स्व. सत्येंद्र कुमार सिंह की पुत्रवधु, अनुपम सिंह की माता, पूर्व विधायक सौरभ सिंह की भाभी, अपूर्व सिंह एडवोकेट एवं वर्तमान विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह की चाची थीं।

इंद्रमन बघेल

डॉगाकोहरौद। ग्राम पंचायत भिलौनी प्रतिष्ठित नागरिक एवं छत्तीसगढ़ संस्कृत ज्ञान धारा भिलौनी विद्यालय के प्राचार्य एवं संचालक इंद्रमन बघेल का 19 जनवरी को निधन हो गया। वे 42 वर्ष के थे। वे अपने पीछे दो पुत्र आदर्श कुमार, हर्षित कुमार एवं एक पुत्री गुनगुन बघेल से भरा पुरा परिवार छोड़ गए है। उनकी अंतिम यात्रा में परिजन एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

गंगाधर साहू

तनौद। आदर्श ग्राम पंचायत खोरसी के प्रतिष्ठित नागरिक रामकिर्तन साहू के ज्येष्ठ पुत्र गंगाधर साहू का 26 वर्ष की उम्र में 18 अक्टूबर को निधन हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए है। उनका अंतिम संस्कार चित्रोत्पला गंगा महानदी के तट पर स्थित मुक्तिधाम में किया गया। उनके अंतिम यात्रा में ग्राम के स्वजातीय बंधुओं के अलावा ग्रामीण जन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अनमोल वचन......

जीवन में धोखा खाना भी बहुत जरुरी है, क्योंकि चलना मां-बाप सीखा देते हैं लेकिन संभलना खुद ही सीखना पड़ता हैं।

कड़वाहट को दूर करने में सहायता मिली

मोईजू ने उम्मीद जताई थी कि भारत मालदीव के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए हमेशा तैयार रहेगा।' कहा जा सकता है कि भारत ने उनकी उम्मीदें पूरी की हैं। पड़ोसी देशों के भारत से छिटकने के इस दौर में यह एक स्वागत-योग्य घटनाक्रम है। मालदीव के राष्टपति मोहम्मद मोईजू की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में जारी कड़वाहट को दूर करने में सहायता मिली है। मोईजू ने राष्ट्रपति बनने के बाद एक राजनेता की तरह चुनावी सरगर्मी से विदेश नीति- खासकर भारत संबंधी नीति- को अलग करने की दिशा में ठोस प्रयास किए हैं। भारत सरकार ने भी आरंभ में सख्त रुख दिखाने के बाद अब संबंधों को संभालने को प्राथमिकता दी है। मालदीव छोटा-सा द्वीप है, लेकिन अपने भौगोलिक स्थिति के कारण महत्त्वपूर्ण है। पिछले राष्ट्रपति चुनाव को मोहम्मद मोईजू ने इंडिया आउट' अभियान की पीठ पर सवार होकर जीता था। भारत यात्रा के दौरान एक अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने उस अभियान को जन भावनाओं की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन यह भी कहा कि उनकी विदेश नीति उस अभियान के प्रभाव से संचालित नहीं है। भारत सरकार ने भी बीती बातों को भुलाकर मालदीव से संबंधों के मामले में नई शुरुआत करने की जरूरत महसूस की। अनेक छोटे देशों की तरह मालदीव की भी अर्थव्यवस्था आर्थिक संकट से गुजर रही है। इस साल की पहली तिमाही में मालदीव का विदेशी ऋण 3.37 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो उसके जीडीपी के 45 प्रतिशत के बराबर है। उसका विदेशी मुद्रा भंडार भी काफी घट गया है। ऐसे में भारत ने मदद करने का फैसला किया। इस क्रम में भारत ने मुद्राओं की अदला-बदली के समझौते की घोषणा की, जिसके तहत भारत मालदीव को 40 करोड़ डॉलर के अलावा 30 अरब रुपयों की मदद भारत देगा। मोईजू ने इसके लिए भारत का आभार जताया है। गौरतलब है कि भारत आने से पहले मोईजू ने एक विदेशी टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि भारत को उनके देश की वित्तीय हालत की पूरी जानकारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मालदीव के सबसे बड़े विकास साझेदारों में से एक होने के नाते भारत हमेशा हमारे बोझ को कम करने के लिए तैयार रहेगा।' कहा जा सकता है कि भारत ने उनकी उम्मीदें पूरी की हैं। पास-पड़ोस में एक-एक कर देशों के भारत से छिटकने के इस दौर में यह एक स्वागत-योग्य घटनाक्रम है।

विमान उड़ाने की धमकी, रेल पटरियों पर अवरोध और हिन्दू त्यौहारों पर हमले

//रमेश शर्मा //

पूरे देश में स्कूलों, हवाई अड्डों, विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, रेल पटरियों पर कहीं डेटोनेटर, कहीं लकड़ी के गट्ठर, कहीं गैस सिलेंडर मिलने लगे । इसके साथ हिन्दू त्यौहारों पर हमले बढ़ गये । यह भारतीय समाज जीवन में भय, आतंक और तनाव फैलाकर प्रगति अवरुद्ध करने का नया षड्यंत्र है । इसमें भारत विरोधी अंतरराष्ट्रीय और भारत के भीतर की दोनों शक्तियों का गठजोड़ दिखता है ।

देश भर में हुये दुर्गा विसर्जन में पथराव और बहराइच में क्रूरता पूर्वक की गई हत्या के दर्द से देश उबरा भी नहीं था कि भारतीय विमानों को उड़ाने की धमकियाँ आने लगीं । दुर्गा विसर्जन से शरद पूर्णिमा के बीच चार दिनों में कुल उन्नीस धमकियाँ मिलीं। सावधानी केलिये सात उड़ानों को या तो स्थगित किया गया अथवा आपात लैंडिंग की गई। कुछ तो ऐसे विमानों की भी आपात लैंडिंग हुई जो विदेश जा रहे थे । हालाँकि विमानों को उड़ाने धमकी भरे ईमेल या फोन और हिन्दू त्यौहारों पर हमलों की घटनाएँ पहले भी हुई हैं। लेकिन पिछले छै महीनों से भारतीय समाज जीवन में आतंक और तनाव फैलाने वाली इन घटनाओं में बाढ़ सी आ गई है । ये घटनाएँ तीन प्रकार की हैं। इनमें स्कूल, अस्पताल और विमानों और विमानतलों को बम से उड़ाने की धमकियाँ सोशल मीडिया अथवा ईमेल से आईं, दूसरा रेल पटरियों पर कहीं डेटोनेटर, कहीं गैस सिलेंडर, कहीं पत्थर, कहीं लकड़ी के गट्ठर तो कहीं लोहे की राड रखकर रेल दुर्घटना करने का कुप्रयास हुआ और हिन्दु त्यौहारों पर हमले । भारत में ये घटनाएँ नई नयी हैं, ऐसी घटनाएँ पहले भी हुईं हैं । लेकिन पिछले छै महीनों में घटी घटनाओं में अंतर है । एक तो संख्या में कयी गुना बढ़ोत्तरी हुई है दूसरे क्रूरता बढ़ी है ।

हमलों और पथराव का यह क्रम कांवड़ यात्राओं से आरंभ हुआ था । जो गणेशोत्सव और दुर्गा उत्सव में निरंतर बढ़ता रहा । दुर्गाउत्सव में ऐसा कोई दिन नहीं बीता जब दो चार स्थानों से झांकियों पर पथराव का समाचार न आया हो । कुछ घटनाओं में तो झांकियों इसके के भीतर घुसकर प्रतिमा खंडित करने और महिलाओं के साथ मारपीट करने के समाचार भी आये । बहराइच में भीड़ की आक्रामकता से हमलावरों की क्रूरता आसानी समझी जा सकती है । हमलावरों ने युवक के पूरे शरीर के हर अंग को घाव दिये, पैरों के नाखून उखाड़े गये थे । प्रत्यक्ष दर्शियों ने हमलावरों की करतूत का जो विवरण दिया वह रोंगटे खड़े कर देता है । अन्य घटनाओं में हमले केलिये पथराव, लाठी, गोली चाकू राड आदि का खुलकर प्रयोग हुआ ।

यह सब ऐसे समय हो रहा है जब भारत में एकजुटता की आवश्यकता थी । इन दिनों भारत विकास की नई अंगड़ाई ले रहा है । आर्थिक समृद्धि से लेकर अंतरिक्ष की ऊँची उड़ान तक नये कीर्तिमान बन रहे हैं। यह विश्व में भारत की बढ़ती साख और प्रतिष्ठा का नया अध्याय है कि गाजा पट्टी का तनाव रोकने और यूक्रेन-रूस युद्ध के समाधान के लिये दुनियाँ भारत के प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी से आगे आने की अपेक्षा कर रही है । भारत की यह प्रगति और प्रतिष्ठा की मंजिल नहीं है, पहला चरण है । लक्ष्य तो विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान अर्जित करने का है । इसके लिये यशस्वी प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 निर्धारित किया है। वह भारत की स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा । मोदीजी का संकल्प है कि स्वतंत्रता की शताब्दी वर्षगांठ पर भारत राष्ट विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर प्रतिष्ठित हो । यह काम केवल मोदीजी के संकल्प और सरकार की नीति निर्णयों से नहीं होगा । इसके लिये संपूर्ण भारत और भारत वासियों को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा । तभी वर्तमान प्रगति यात्रा अनवरत रह सकेगी और भारत का परम् वैभव पुनर्प्रतिठित हो सकेगा । जिस समय संपूर्ण राष्ट्र में एकत्व और सक्रियता की आवश्यकता है तब बम से उड़ाने की धमकियों से आतंक का वातावरण बनाना, रेल की पटरियों को क्षतिग्रस्त करके समाज जीवन में भय उत्पन्न करना और हिन्दू त्यौहारों पर लगातार हमले करके साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न करना साधारण नहीं हो सकता । यह आशंका निराधार नहीं हो सकती की यह भारत की विकास गति अवरुद्ध करने का षड्यंत्र है । इन तीनों के परिणाम पर विचार करें तो इसमें देश विरोधी गहरे कुचक्र की गंध आती है । किसी न किसी स्तर पर इन तीनों प्रकार की घटनाओं के सूत्र एक दूसरे से जुड़े लगते हैं। चूँकि ये घटनाएँ किसी प्राँत या क्षेत्र में घटीं हों इनमें साम्यता है । तीनों प्रकार की सर्वाधिक घटनाएँ उत्तरप्रदेश में घटीं। इसके अतिरिक्त बंगाल, असम, राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात से भी आईं। इन सभी प्राँतों के समाज जीवन में बहुत विविधता है । लेकिन सभी प्राँतों में तनाव फैलाने वाली घटनाओं की शैली एक ही है ।

रेल पटरियों पर अवरोध खड़ा करने और फिश फ्लेट ढीली करने की आरंभिक घटनाएँ कैमरे की नजर में आ गईं थीं। जिससे पुलिस आरोपियों तक पहुँच गई थी और कुछ गिरफ्तारी भी हुई । लेकिन बाद की घटनाओं में आरोपियों ने सावधानी बरती और घटना केलिये वे स्थान चुने गये जो कैमरे की पहुँच से दूर हों । इसी प्रकार स्कूल, अस्पताल और हवाई जहाज को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भी बहुत योजना से भेजे गये। ये भेजे तो भारत से ही भेजे गये थे पर अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से । ताकि आसानी से पकड़ में न सकें । रेल पटरियों पर अवरोध खड़ा करने की घटनाओं में जो सावधानी दूसरे चरण में बरती गई, बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल में वह सावधानी पहले दिन से बरती गई।

इन घटनाओं में विभिन्न शक्तियों का गठजोड़

किसी भी परिवार, समाज या राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि केलिये सबको एकजुट होना आवश्यक है । सबके साथ से ही सबका विकास संभव है । लेकिन यदि परिवार समाज या राष्ट के आंतरिक वातावरण में तनाव है, भय है या टकराव है तो सबसे पहले विकास गति ही प्रभावित होती है । पिछले दस वर्षों से भारत ने जो विकास गति पकड़ी है उससे आयात घटा है, आत्मनिर्भरता बढ़ी है । यह भारत की विकसित तकनीकि का प्रमाण है की अब दुनियाँ के पन्द्रह देश अपने उपग्रहों के प्रक्षेपण में भारतीय तकनीकी की सहायता ले रहे हैं। इससे चीन जैसे अनेक देश ही नहीं अमेरिका और कनाडा की भी एक विशेष लॉवी चिंतित है । इन लॉवियों का गठजोड़ बंगलादेश के सत्ता परिवर्तन में देखा जा सकता है । वह कहने केलिये छात्र आँदोलन था । लेकिन परदे के पीछे वे कट्टरपंथी थे जिनकी मानसिकता भारत और सनातन विरोधी रही है । आँदोलन के साथ ही हिन्दू मंदिरों और बस्तियों को निशाना बनाया गया । सत्ता परिवर्तन के बाद दुर्गा उत्सव पर लगातार हमले हुये । वह मुकुट भी गायब कर दिया गया जो प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी ने अपनी बंगलादेश यात्रा के समय भेंट किया था । केवल दुर्गा उत्सव के दौरान हमलों और हत्याओं पैंतीस बड़ी घटनाएँ घटीं जो अंतराष्ट्रीय मीडिया में आईं।

इसे सामान्य नहीं माना जा सकता कि बंगलादेश में कट्टरपंथियों की सफलता के बाद ही भारत में हमले बढ़े हैं। भारत के भीतर दो प्रकार की धाराएँ काम कर रहीं हैं। एक वह राजनैतिक धारा जो सनातन धर्म और परंपराओं को समाप्त करना चाहते हैं। वे अपने उद्देश्य को छुपाते भी नहीं हैं। खुलकर सनातन धर्म को डेंगू मलेरिया के वायरस जैसा बताकर समाप्त करने की बात करते हैं । दूसरी कट्टरपंथियों की वह धारा है जो मुसलमानों में राष्ट्र की मूलधारा से अलग एकजुटता और आक्रामकता बनाये रखने का अभियान चला रही है । यह केवल भारत में नहीं चल रहा । पाकिस्तान बंगलादेश और अफगानिस्तान सहित भारत के सभी पड़ौसी देशों में चल रहा है । इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश के सत्ता परिवर्तन और उसके बाद की घटनाओं से समझा जा सकता है । यह केवल संयोग नहीं है कि पाकिस्तान की सत्ता परिवर्तन के बाद बंगलादेश के घटनाक्रम में तेजी आई और बंगलादेश के सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में कट्टरपंथ की गतिविधियाँ तेज हुईं । बंगलादेश के घटनाक्रम के बाद भारत के कट्टरपंथियों का मनोबल कितना बढ़ा, इसकी झलक कश्मीर, उत्तरप्रदेश, बंगाल, आसाम और तेलंगाना आदि राज्यों में कुछ धर्मगुरुओं के भाषणों की शैली से समझा जा सकती है । इस शैली को सनातन परंपराओं की कांवड़ यात्रा या हिन्दू त्यौहारों पर हमलों से अलग नहीं देखा जा सकता । इसका लाभ उन अंतराष्ट्रीय शक्तियों को मिला जो भारत की विकास गति अवरुद्ध करना चाहती हैं। कट्टरपंथियों का उद्देश्य भारत में अपना वर्चस्व बनाना है तो अंतराष्ट्रीय शक्तियों का उद्देश्य भारत की विकासगति कमजोर करना है । दोनों को अपनी सफलता का सूत्र भारत मेंभय आतंक और टकराव का सामाजिक वातावरण बनाने में ही दिखता है । पिछले छै माह से भारत में घटने वाली घटनाओं से दोनों के उद्देश्य पूरे हो रहे हैं। हिन्दू त्यौहारों पर हमलों से साम्प्रदायिक तनाव बढ़ने लगा तो रेल पटरियों पर अवरोध करने और रेल दुर्घटनाओं से समाज में भय उत्पन्न हुआ और विमान की उड़ानों और विमानतल उड़ाने की धमकियों से पूरे प्रशासन को बचाव की सावधानी में लगना । समाज जीवन की कार्यशीलता भी प्रभावित हुई ।

यदि तनाव, टकराव और भय का यह वातावरण लंबे समय तक चला तो निसंदेह भारत की विकासगति प्रभावित होगी जो कुछ अंतराष्ट्रीय शक्तियाँ चाहतीं हैं। इसलिये पूरे समाज को जागरुकता रहने की, संगठित रहने की और समरस रहने की आवश्यकता है । ताकि देश विरोधी शक्तियों का षड्यंत्र सफल न हो । चूँकि संगठित और सुदृढ समाज की देश विरोधी शक्तियों का सामना कर सकता है ।

कांग्रेस तमाम आदर्श स्थितियों के बावजूद चुनाव हारी

//अजीत द्विवेदी//

हरियाणा के चुनाव नतीजों ने एक बार फिर प्रमाणित किया है कि कांग्रेस पार्टी जातीय राजनीति में प्रवेश कर तो गई है लेकिन उसकी जटिलताओं को समझ नहीं पा रही है और अगर समझ रही है तो उससे निपटने के उपाय उसको नहीं सूझ रहे हैं। राहुल गांधी ने अप्रैल 2023 से जाति जनगणना और आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा जोर शोर से उठाया है और उसके बाद से हरियाणा चौथा राज्य था, जहां कांग्रेस तमाम आदर्श स्थितियों के बावजूद चुनाव हारी।

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बाद हरियाणा में कांग्रेस की यह राजनीति विफल रही है। कह सकते हैं कि इस दौरान कांग्रेस कर्नाटक में चुनाव जीती और लोकसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। लेकिन अगर लोकसभा के नतीजों को भी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा, उसमें भी राहुल गांधी की जाति गणना कराने और आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने के दांव का बहुत कम योगदान है। कांग्रेस को या तो दक्षिण भारत से सीटें मिली हैं या अन्य विपक्षी पार्टियों के साथ चतुराईपूर्ण गठबंधन की वजह से सीटें मिली हैं।

सवाल है कि कांग्रेस का जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने का दांव क्यों नहीं कामयाब हो रहा है? इसका मुख्य कारण यह है कि अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी की राजनीति मंडल के दौर से बहुत आगे बढ़ चुकी है और कांग्रेस नेतृत्व न तो उसके इतिहास को समझ रहा है और न उसकी जटिलताओं को समझ रहा है। कांग्रेस नेतृत्व की तीन गलतियां बहुत स्पष्ट हैं। पहली, वह अभी तक ओबीसी को एक होमोजेनस समुदाय मान कर उसकी कॉमन अस्मिता की राजनीति कर रही है। दूसरी, मंडल के ऊपर कमंडल के असर का आकलन नहीं कर रही है और तीसरी राहुल गांधी चाहते हैं कि सिर्फ बातों से काम बन जाए। यानी वे भाषण दें और अच्छी अच्छी बातें कहें, उससे पिछड़ी जातियां कांग्रेस के साथ जुड़ जाएं। वे पिछड़ा नेतृत्व आगे किए बगैर कांग्रेस नेतृत्व के पारंपरिक ढांचे में यह राजनीति कर रहे हैं।सबसे पहला मामला यह है कि पोस्ट मंडल यानी मंडल के बाद की राजनीति बहुत बदल गई है। कार्ल मार्क्स के द्वंद्वात्मक भौतिकवाद को पढने समझने वालों को पता है कि कोई भी वाद या विचार स्थायी नहीं होता है। विचार के साथ ही प्रतिविचार का जन्म होता है और दोनों के द्वंद्व से एक संविचार यानी पहले से परिष्कृत विचार का जन्म होता है। सो, मंडल की राजनीति के मजबूत होने पर इसके अंदर ही टकराव और बिखराव शुरू हुआ। इसको वर्गीकरण के रूप में समझ सकते हैं। हालांकि जैसे अभी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अनुसूचित जातियों में वर्गीकरण का मामला तूल पकड़े हुए है उस तरह पिछड़ी जातियों में नहीं हुआ लेकिन बिहार और कुछ अन्य जगहों पर पिछड़ा और अति पिछड़ा के तर्ज पर सरकारी नौकरियों और दाखिले में वर्गीकरण दिखाई दिया। साथ ही राजनीतिक स्तर पर इसका दायरा ज्यादा व्यापक हुआ। कई जगह मजबूत पिछड़ी जातियों के खिलाफ कमजोर पिछड़ी जातियों की गोलबंदी हुई। एकसमान पिछड़ी अस्मिता की जगह कई अस्मिताओं का जन्म हुआ। जिस तरह से एक जमाने में अगड़ी जातियां पिछड़ी जातियों के लिए वर्ग शत्रु थीं उसी तरह मजबूत पिछड़ी जातियां कमजोर पिछड़ी जातियों के लिए वर्ग शत्रु हो गईं। बिहार में इसी दायरे को बढ़ा कर नीतीश कुमार ने इतने बरसों तक सफल राजनीति की। उन्होंने अगड़ा पिछड़ा के नैरेटिव में चुनाव नहीं जीते, बल्कि पिछड़ा बनाम अति पिछड़ा और दलित बनाम महादलित के नैरेटिव में चुनाव जीते। उत्तर प्रदेश के दो चुनावों में भाजपा की जीत इसी राजनीति का नतीजा थी। लेकिन 2024 में अखिलेश यादव ने सबक लिया और अगड़ा पिछड़ा के पुराने नैरेटिव को सफलतापूर्वक जीवित करने में कामयाब रहे। योगी आदित्यनाथ के राज की जातीय गौरव की कहानियों ने इसमें उनकी मदद की। बहरहाल, पोस्ट मंडल राजनीति में हुए इस सामाजिक वर्गीकरण को कांग्रेस नहीं समझ पा रही है या समझ रही है तो इसके बेहतर राजनीतिक इस्तेमाल के लिए तैयार नहीं है। अगर वह इस सामाजिक वर्गीकरण को समझ ले और तमाम पिछड़ी जातियों की सत्ता में हिस्सेदारी की चाहना को समझ ले तो वह ज्यादा बेहतर ढंग से इसकी राजनीति कर पाएगी। उसे समझना होगा कि अब सत्ता का समीकरण बदल गया है। धरातल पर मौजूद सामाजिक टकरावों की राजनीति में भूमिका बढ़ी है और सिर्फ पिछड़ी जातियां ही नहीं, बल्कि कोई भी जाति होमोजेनस नहीं रह गई है।अगड़े पूरी तरह के अगड़ों की तरह या पिछड़े पूरी तरह से पिछड़ों की तरह वोट नहीं कर रहे हैं। जातियों की समरूपता टूटने से जटिलता बढ़ी है, जिसको भाजपा ने बेहतर ढंग से समझा है। इतना ही नहीं उसने जाति राजनीति को अलग अलग राज्यों में अलग अलग तरह से लागू किया है, जबकि राहुल गांधी एक साइज का जूता हर पैर में पहनाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा को पता है कि बिहार और यूपी में यादव उसका साथ नहीं देंगे तो उसने गैर यादव पिछड़ी जातियों को साथ जोड़ा लेकिन दूसरी तरफ मध्य प्रदेश और हरियाणा में ऐसा सामाजिक टकराव नहीं है तो वहां यादव के साथ साथ दूसरी पिछड़ी जातियों को भी अपने साथ मिला लिया। यह एक उदाहरण है। बाकी हर राज्य में भाजपा ने सामाजिक टकरावों को समझ कर जातियों का गणित बैठाया है।दूसरा मामला मंडल की राजनीति पर कमंडल के असर का है। पिछले 10 साल के नरेंद्र मोदी के राज ने मंडल और कमंडल का फर्क मिटा दिया है। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी की भाजपा यह काम नहीं कर पाई थी। चूंकि उस समय भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अगड़ी जातियों का था इसलिए वे मंडल और कमंडल की दूरी को पाट नहीं सकते थे। अलबत्ता गोविंदाचार्य ने यह काम कल्याण सिंह के जरिए उत्तर प्रदेश में किया था और बाद में उमा भारती के जरिए इसे मध्य प्रदेश में दोहराया गया। लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी के आने के बाद ज्यादा प्रयोग करने की जरुरत नहीं रह गई।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा और यह सीखेंगे की धन को कैसे बचा कर रखा जाता है, जिससे भविष्य में कोई परेशानी ना हो। साथ ही आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे।

वृष राशि-आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम, आज पूरा हो जायेगा। बिजनेस साझेदार के साथ किए गए कामों से आज आपको फायदा होगा। आज आपको मान-सम्मान मिलेगा। अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए आप सीजनल फ्रूट शामिल करेंगे।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपके सामने लाभ के कुछ नए अवसर आयेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आज आपके कठिन परिश्रम का लाभ मिलने से मन में खुशी का भाव बना रहेगा। धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के आसार खुलेंगे।

कर्क राशि-आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियाँ लाने वाला है। नये काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे। लोग आपकी योजना पर काम करने के लिए आपसे सलाह भी लेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। छात्र अपनी पढ़ाई में नए बदलाव करेंगे।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इस राशि के जो लोग नौकरी कर रहे हैं वह दिए गए काम को पूरा करने में सफल होंगे। आज आप दफ्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करेंगे और वह काम करेंगे, जो आपको पसंद है। बीते दिनों में जितना धन इन्वेस्टमेंट किया था, उसका फायदा आपको आज मिल सकता है।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आप अपने आपको काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे। आज का दिन आनंद से भरा रहेगा, आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे।

तुला राशि-आज आपका दिन पाज़िटिव रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में बनाई गई योजनाएं कारगर साबित होगी। आपके लिए धन लाभ की संभावना बढ़ेगी। मास इन मीडिया कम्युनिकेशन के छात्रों के लिए खास अवसर मिलने की संभावना है। आपके अंदर कलात्मक चीजों के प्रति उत्साह पैदा होगा। आप किसी क्राफ्ट एजीबिशन में मित्रों के साथ जा सकते हैं। आप अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखेंगे।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोग आज किसी प्रॉपर्टी डीलर्स से बातचीत करेंगे। आज आपको बिजनेस के सिलसिले से राज्य से बाहर जाना पड़ सकता है। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट अच्छा होगा।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जाने की योजना बनाएंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी को आप कोई नया कार्य शुरू करा सकते हैं।

मकर राशि-आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी कोई मनोकामना पूरी होगी। आपको परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ रिजल्ट मिलेंगे। अच्छे कॉलेज में आप एडमिशन पाएंगे। आगे चलकर आपको नये सुनहरे अवसर मिलने की संभावना

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय कर रहे लोग नई-नई योजनाओं को लागू करेंगे, जिससे व्यापार को आगे बढ़ा सके।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपमे चुस्ती फुर्ती रहेगी, आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज बिना किसी मदद के भी आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है।

तस्वीरों की दुनिया

राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदा नंद सिंह, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, सीपीआई-एमएल के रा%य सचिव कुणाल और अन्य लोग पटना में उपचुनाव से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उम्मीदवारों की सूची दिखाते हुए।

जयपुर में अपनी आगामी फिल्म %दो पत्ती% के प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेत्री कृति सनोन, काजोल और शहीर शेख।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में आरजे शंकर नेत्र अस्पताल के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया.

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में बिहार एवं झारखंड मेडिकल फोरम के तत्वावधान में आयोजित बीजेएमएफकॉन 2024 को संबोधित किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को नई दिल्ली में बिहार एवं झारखंड मेडिकल फोरम के तत्वावधान में आयोजित बीजेएमएफकॉन 2024 के दौरान स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

कर्नाटक के बेंगलुरु में भारी बारिश के बाद जलमग्न पार्किंग क्षेत्र में एक कार और मोटरसाइकिल आंशिक रूप से डूब गई।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में आतंकी हमला, गोलीबारी में 7 मजदूरों की मौत, अमित शाह बोले- बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

श्रीनगर, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला की तलहट्टी में स्थितग गगनगीर सोनमर्ग में रविवार को आतंकियों ने जैडमोढ़ सुरंग परियोजना में कार्यरत श्रमिकों के शिविर पर हमला किया। इस हमले में सात श्रमिकों की मौत हो गई है और 5 अन्य घायल हुए हैं।सभी घायलों को उपचार के लिए शेर-ए- कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान सौरा में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस व सेना ने श्रमिकों के शिविर और उसके साथ सटे इलाके की घेराबंदी कर, आतंकियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान चला रही है।मैकेनिकल इंजीनियर अनिल शुक्ला निवासी मध्य प्रदेशमोहम्मद हनीफ निवासी बिहारकलीम निवासी बिहारशशि अब्रोल निवासी जम्मूफहीम नासिर निवासी बिहारगुरमीत सिंहडॉक्टर शाहनवाजकेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, जम्मू-कश्मीर के गगनगीर में नागरिकों पर हुआ नृशंस आतंकी हमला कायरतापूर्ण घृणित कृत्य है। इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्हें हमारे सुरक्षा बलों की ओर से कड़ी से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। इस अत्यंत दुख की घड़ी में, मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस बीच, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि गगनगीर से एक दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। दो श्रमिकों की मौत हो गई तीन अन्य के घायल होने की सूचना

है। वह सभी लोग एक महत्वपूर्ण परियोजना में काम कर रहे थे। मैं नागरिकों पर हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं और पीड़ित परिवारों के साथ अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। कश्मीर घाटी में बीते तीन दिनों में अन्य राज्यों के श्रमिकों पर यह दूसरा आतंकी हमला है। इससे पूर्व गत शुक्रवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां में आतंकियों ने बिहार के रहने वाले अशोक चौहान की हत्या की है। जैडमोढ़ सुरंग जोजिला सुरंग परियोजना का एक हिस्सा है। जोजिला सुरंग परियोजना के तहत सुरंग बनाई जा रही हैं और उनमें एक साढ़े छह किलोमीटर लंबी जैड मोढ़ सुरंग है। यह श्रीनगर से लगभग 68 किलोमीटर की दूरी पर गुंड से आगे और सोनमर्ग से पहले गगनगीर में है। इस सुरंग के निर्माण से सोनमर्ग का मार्ग जो गुंड से आगे सर्दियों में बंद रहता था,एक सदाबहार मार्ग हो जाएगा और लगभग एक घंटे का सफर 15 मिनट का रह जाएगा। एपीसीओ नामक कंपनी द्वारा इस सुरंग को बनाया जा रहा है लेकिन काम पूरा न होने के कारण इसे अभी यातायात के लिए बहाल नहीं किया गया है।यहां मिली जानकारी के अनुसार, जिस शिविर पर हमला हुआ है, वह गुंद कंगन से कुछ ही दूरी पर जैडमोढ़ सुरंग के पश्चिमी मुहाने पर रेजान गगनगीर के नीचे सिंध नाले के पास है। बताया जा रहा है कि रात आठ बजे के करीब जब परियोजना में कार्यरत श्रमिक और अधिकारी अपनी मेस में खाना खाने के लिए जमा हो रहे थे,उस समय कथित तौर पर परिसर के बाहरी हिस्से में अचानक आतंकी आए। उन्होंने वहां मौजूद लोगों की भीड़ पर अपने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। लगभग तीन से चार मिनट तक उन्होंने गोलियां बरसाईं। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। जिसे जहां जगह मिली, वह उसी तरफ जान बचाने के लिए भागा। इस दौरान वहां कुछश्रमिक गोलियां लगने से जमीन पर गिर पड़े और उसके बाद आतंकी वहां से भाग निकले।आतंकियों के जाने के बाद शिविर में मौजूद लोगों ने फोन पर अपने अधिकारियों और निकटवर्ती सुरक्षा शिविरों में सूचित किया। इस बीच, गोलियों की आवाज सुनकर निकटवर्ती शिविरों से सेना और सीआरपीएफ व पुलिस के जवान भी मौके पर पहुंच गए।उनके पहुंचने से पहले ही आतंकी वहां से निकल भागे थे।

अकासा एयर समेत 36 विमानों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, फ्लाइट्स की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नईदिल्ली, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

भारतीय विमानन उद्योग को बम की धमकियों के कारण पिछले कुछ दिनों से व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण सिर्फ एक सप्ताह में 114 उड़ानें प्रभावित हुई हैं। रविवार को 36 उड़ानों में बम की धमकी मिली। इनमें इंडिगो, विस्तारा, अकासा एयर, एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस और डेल्टा की उड़ानें शामिल हैं। इन सभी कंपनियों की छह-छह उड़ानों को धमकी दी गई।विस्तारा की दिल्ली से फ्रैंकफर्ट, सिंगापुर से मुंबई, बाली से दिल्ली, सिंगापुर से दिल्ली, सिंगापुर से पुणे और मुंबई से सिंगापुर की उड़ानों को सुरक्षा संबंधी चेतावनी दी गई। विस्तारा के प्रवक्ता ने कहा कि प्रोटोकाल के अनुरूप सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित कर दिया गया है और उनके निर्देशानुसार सुरक्षा प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। अकासा एयर की अहमदाबाद से मुंबई, दिल्ली से गोवा, मुंबई से बागडोगरा, दिल्ली से हैदराबाद, कोच्चि से मुंबई और लखनऊ से मुंबई की उड़ानों को धमकी दी गई। अकासा एयर ने कहा कि निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए और विमानों के गहन निरीक्षण के बाद उन्हें परिचालन की अनुमति दे दी गई है।रविवार को दिल्ली हवाई अड्डे को आठ उड़ानों में बम की धमकी मिली। इसके बाद उड़ानों की सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई और उन्हें अलग में ले जाकर जांच की गई तो कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला। सूत्रों के अनुसार, ये धमकियां ईमेल व एक्स के माध्यम से मिली हैं। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि ये धमकियां एक जैसी ही हैं। सिर्फ ईमेल में एयरलाइन का नाम बदल दिया जाता है। बताते चलें, इन फर्जी धमकियों से जहां विमानन कंपनियों को करोड़ों रुपये का नुकसान उठना पड़ रहा है, वहीं यात्री भी परेशान हैं।

उम्मीदवारों की घोषणा होते ही भाजपा में असंतोष नेता से लेकर कार्यकर्ता तक उठा रहे सवाल

रांची, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए 66 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी तो कर दी। लेकिन इसके साथ ही नेताओं और कार्यकर्ताओं का असंतोष भी उभर कर सामने आ गया है। झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन को परिवारवाद के आरोप पर घेरती रही भाजपा ने आधा दर्जन टिकट अपने नेताओं के करीबी सगे संबंधी को दिए हैं। इसके अलावा 15 दिन से लेकर पांच मिनट पहले पार्टी में शामिल हुए नेता को टिकट दे दिया गया है। जमशेदपुर पूर्वी सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहू को टिकट मिला है। प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य संदीप वर्मा ने इसपर सवाल उठाते हुए पूछा है कि पूर्णिमा दास का पार्टी में कौन सा योगदान है, जो उन्हें प्रत्याशी बना दिया गया। इसी तरह हुसैनाबाद में कमलेश सिंह के टिकट दिए जाने पर भाजपा नेता विनोद सिंह ने प्रेस कान्फ्रेंस कर सवाल उठाए और कहा कि तीन दशक से पार्टी का झंडा उठाने वाले कार्यकर्ता कब तक सम्मान दिए जाने की उम्मीद करते रहेंगे। टिकट की घोषणा से पहले पार्टी ने असंतोष को थामने का हर संभव होमवर्क किया था। लेकिन टिकट की महत्वाकांक्षा पाले नेताओं कार्यकर्ताओं के सब्र का बांध इंटरनेट मीडिया से लेकर प्रेस कान्फ्रेंस तक टूटना प्रारंभ हो गया है।कोल्हान में सबसे ज्यादा नेताओं के संबंधी को टिकट मिला है। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा, चम्पाई सोरेन के बेटे रामदास सोरेन, रघुवर दास की बहू पूर्णिमा दास और मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को टिकट मिला है।

जमशेदपुर पूर्वी सीट पर कई भाजपा कार्यकर्ता टिकट की उम्मीद में थे। नेता तो अभी सदमे में हैं लेकिन कार्यकर्ताओं का असंतोष इंटरनेट मीडिया पर सामने आने लगा है।इसी तरह संताल परगना के मधुपुर सीट पर पूर्व विधायक राज पलिवार और नाला से पूर्व विधायक सत्यानंद झा बाटूल का टिकट कटना भी कुछ कार्यकर्ताओं को रास नहीं आ रहा है। दोनों ही नेताओं के निर्देलीय चुनाव लड़ने की चर्चा है।

सोमवार को रूस जाएंगे पीएम मोदी, ब्रिक्स समिट में लेंगे हिस्सा

नईदिल्ली, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सोमवार को रूस रवाना होंगे। यह सम्मेलन रूस में 22-23 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। यात्रा के दौरान पीएम मोदी समूह के सदस्यों के नेताओं और अन्य आमंत्रितों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।यह इस साल प्रधानमंत्री मोदी की रूस की दूसरी यात्रा है। ब्रिक्स समूह के विस्तार के बाद यह पहला शिखर सम्मेलन है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका में 2023 के ब्रिक्स की सदस्यता की पेशकश की गई थी। अर्जेंटीना और सऊदी अरब को भी समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। हालांकि, सरकार बदलने के बाद अर्जेंटीना ने मना कर दिया और सऊदी अरब ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22-23 अक्टूबर को रूस की यात्रा करेंगे, जहां वे रूस की अध्यक्षता में कजान में आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना थीम पर आयोजित शिखर सम्मेलन नेताओं को प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि शिखर सम्मेलन ब्रिक्स द्वारा शुरू की गई पहलों की प्रगति का आकलन करने और भविष्य के सहयोग के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करेगा।विदेश मंत्रालय ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री द्वारा कजान में ब्रिक्स सदस्य देशों के अपने समकक्षों और आमंत्रित नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है। रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव के अनुसार, कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 24 देशों के नेता और कुल 32 देशों के प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे, जिससे यह रूस में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा विदेश नीति कार्यक्रम बन जाएगा। ब्रिक्स दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाने वाला एक महत्वपूर्ण समूह है, जिसमें विश्व की 41 प्रतिशत आबादी शामिल है, विश्व जीडीपी का 24 प्रतिशत और विश्व व्यापार में 16 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।सितंबर 2010 में न्यूयॉर्क में BRICS विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को पूर्ण सदस्य के रूप में स्वीकार किए जाने के बाद BRIC समूह का नाम बदलकर BRICS (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) कर दिया गया।

ट्रूडो ने बर्बाद किए दोनों देशों के रिश्ते, कनाडा में पूर्व भारतीय उच्चायुक्त ने लगाए गंभीर आरोप

ओटावा। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त रहे संजय कुमार वर्मा ने कहा है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने द्विपक्षीय राजनीतिक संबंधों को बर्बाद कर दिया है। कनाडा ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में भारत के साथ कोई साक्ष्य साझा नहीं किया है। भारतीय राजनयिकों के खिलाफ ओटावा के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।निज्जर हत्या मामले में विवाद बढ़ने के बाद भारत सरकार ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा व अन्य अधिकारियों को वापस बुलाने का निर्णय लिया था। कनाडा के सीटीवी न्यूज के साथ साक्षात्कार में, उन्होंने कनाडा में कुछ व्यक्तियों को निशाना बनाने में भारत सरकार की संलिप्तता के ओटावा के आरोप को भी खारिज कर दिया।साक्षात्कार रविवार को प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा, हमारे साथ एक भी साक्ष्य साझा नहीं किया गया है। ट्रूडो साक्ष्यों के बजाय खुफिया जानकारी पर भरोसा कर रहे हैं। ट्रूडो ने भारत- कनाडा के राजनीतिक रिश्ते को नष्ट किया।निज्जर की हत्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इन आरोपों को लेकर कोई साक्ष्य पेश नहीं किया गया है। निज्जर की हत्या से कोई लेना-देना है।गौरतलब है कि कनाडा द्वारा वर्मा और कुछ अन्य भारतीय राजनयिकों को इस मामले से जोड़ने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में काफी तनाव आ गया है। आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए नई दिल्ली ने सोमवार को ओटावा से उच्चायुक्त वर्मा और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने की घोषणा की, जबकि छह कनाडाई राजनयिकों को भारत से निष्कासित कर दिया।कनाडा ने भी छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया।भारत ने कहा है कि कनाडा सरकार राजनीतिक लाभ के लिए भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रही है। भारत ने कनाडा के उच्चायुक्त समेत छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। ट्रूडो ने निज्जर की हत्या मामले में छह भारतीय राजनयिकों को फंसाने की कोशिश की है।

मशहूर शायर फहमी बदायूंनी का निधन 72 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

बदायूं, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

मुझे तुमसे बिछड़ना ही पड़ेगा, मैं तुमको याद आना चाहता हूं...। तुम्हें बस ये बताना चाहता हूं, मैं तुमसे क्या छिपाना चाहता हूं...। असंख्य हृदय में ऐसी अनगिनत पंक्तियों का बसेरा बनाकर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर फहमी बदायूंनी हमेशा के लिए यादों में समा गए। उनका 72 वर्षीय शरीर लंबी बीमारी से जूझ रहा था। वो दर्द उनके चेहरे की रौनक को जकड़ता जा रहा था। आखिरकार हमारा हाल तुम भी पूछते हो, तुम्हें तो मालूम होना चाहिए था... पंक्ति दोहराने को मजबूर करनी शख्सियत रविवार शाम को वक्त के आगे थम गई। उनके निधन से जिले में साहित्य का एक अध्याय समाप्त हो गया। बिसौली के मुहल्ला पठान टोला में जन्मे पुत्तन खां ने 80 के दशक में शायरी को साथी बनाया तो नया नाम मिला- फहमी बदायूंनी। उनकी कला के कद्रदानों ने हमेशा इसी नाम से आवाज दी और इसी नाम ने उन्हें दुनिया भर में पहचान दी। उनके करीबी बताते हैं कि एक मुशायरे में उन्होंने पढ़ा था प्यासे बच्चे पूछ रहे हैं, मछली-मछली कितना पानी, छत का हाल बता देता है, परनालों से बहता पानी ... । वो शेर ऐसा गूंजा कि फहमी बदायूंनी साहित्य के आसमान में सितारा बनकर उभरते चले गए।

उनके कई शिष्य हैं, जो हर मुशायरे या कवि सम्मेलन को अपनी आंखों में बसाए हैं। उन्होंने बताया कि फहमी बदायूंनी के शब्दों से मोगरी बापू को विशेष प्रेम था। वह उनके आश्रम में कई बार मुशायरा करने गए। इसके अलावा, कई देशों में उनकी कला के कद्रदान हुए जोकि समय-समय पर अपने मंचों पर बुलाया करते थे। इंटरनेट मीडिया का दौर आया तो फहमी बदायूंनी तुम्हें बस ये बताना चाहता हूं, मैं तुमसे क्या छिपाना चाहता हूं, कभी मुझसे भी कोई झूठ बोलो, मैं हां में हां मिलाना चाहता हूं

पब में चल रही थी पार्टी, तभी पुलिस ने मारा छापा, 40 महिलाओं सहित 140 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एक पब में पुलिस की छापेमारी में 140 लोगों को हिरासत में लिया किया गया। बंजारा हिल्स स्थित इस पब से गिरफ्तार लोगों में 40 महिलाएं भी शामिल हैं। बताया गया है कि पकड़े गए लोग अवैध गतिविधियों में शामिल थे। बताया गया है कि पुलिस ने खुफिया जानकारी मिलने के बाद रविवार को टीओएस पब में छापेमारी की थी। इसके बाद पब को सील कर दिया गया। 20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, जिनमें आधी महिलाएं हैं।पुलिस ने कहा कि आरोपितों पर अलग-अलग धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं।

जिन लोगों पर केस हुए हैं, उनमें पब के मालिक और डीजे आपरेटर भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह छापेमारी मुख्य तौर पर पब में अभद्र डांस की शिकायतों को लेकर हुई।शिकायत थी कि पब के मालिकों ने अलग-अलग राज्यों की महिलाओं को अभद्र डांस के जरिए पुरुषों को रिझाने और पब का लाभ बढ़ाने के लिए रखा गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पुलिस अभियान से पहले पब को अवैध गतिविधियों के लिए निगरानी में रखा गया था। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) वेंकट रमना के हवाले से कहा कि पिछली रात, हमने रोड नंबर तीन पर छापा मारा और पब में अवैध गतिविधियों में शामिल होने के लिए 100 पुरुषों और 40 महिलाओं को हिरासत में लिया, पब को हमने सील कर दिया। विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। बुक किए गए लोगों में पब के मालिक, बॉर्डर, डीजे संचालक और अन्य शामिल हैं।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह छापेमारी अनुचित नृत्य प्रदर्शन की रिपोर्टों के आधार पर की गई थी। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पब ने कथित तौर पर पुरुष ग्राहकों को आकर्षित करने और मुनाफा बढ़ाने के उद्देश्य से अश्लील नृत्य करने के लिए विभिन्न राज्यों की महिलाओं को काम पर रखा था।

RJD से अपने विधायकों को तोड़ने का बदला लेंगे ओवैसी! प्रशांत किशोर बढ़ाएंगे NDA की टेंशन

पटना, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

बिहार में चार सीटों पर होने वाले विधानसभा उप चुनाव में आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने भी ताल ठोंकने की तैयारी कर ली है। एआईएमआईएम के बिहार में इकलौते विधायक व प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान के सभी चार सीटों पर प्रत्याशी देने की घोषणा कर चुनाव को चतुष्कोणीय बनाने की अपनी मंशा उजागर कर दी है। इससे यह भी साफ है कि महागठबंधन की राह में जहां एआईएमआईएम रोड़ा बनेगा, वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की परेशानी जन सुराज

पार्टी (जसुपा) बढ़ाएगी। चारों सीटों के समीकरण से स्पष्ट है कि लड़ाई किसी गठबंधन या दल के लिए सीधी नहीं होने जा रही। विशेषकर राजद के लिए। उसके चार विधायकों को राजद अपने पाले में कर चुका है। उसका बदला लेने के लिए एआईएमआईएम आतुर है। एआईएमआईएम के पांच में चार विधायकों को राजद ने 29 जून, 2022 को तोड़ लिया था। इससे ओवैसी को करारा झटका लगा था। तब से राजद के विरुद्ध ओवैसी की राजनीतिक अदावत चरम पर है। बिहार के मुसलमान मतदाताओं को अपने पाले आकर्षित करने का प्रयास ओवैसी अरसे से कर रहे। विधानसभा के पिछले चुनाव में उन्हें कुछ सफलता भी मिली है। उसके बाद गोपालगंज विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव का परिणाम एआईएमआईएम की पैठ का शानदार उदाहरण है।2020 के विधानसभा चुनाव में जन संघर्ष दल के अब्दुल सलाम को 2,450 वहां वोट मिले थे, जो लगभग दो वर्ष बाद हुए उप चुनाव में एआईएमआईएम के प्रत्याशी बन गए।

तब उनको 12,214 वोट मिले। उसे ओवैसी का असर बताया गया। हालांकि, 2020 के विधानसभा चुनाव में पांच सीटें जीतने वाला एआईएमआईएम किसी दूसरी सीट पर दूसरे पायदान पर नहीं रहा था। इसके बावजूद ओवैसी अपने गृह राज्य से बाहर अब तक बिहार में ही सबसे बड़ा राजनीतिक धरातल बनाने में सफल रहे हैं। इस बार उप चुनाव में एआईएमआईएमका इरादा बड़ी टक्कर देने का है, विशेषकर बेलागंज और इमामगंज में।

क्यूबा में तीसरे दिन भी बिजली संकट बरकरार, पूरे देश में ब्लैकआउट, तूफान ऑस्कर को लेकर जारी चेतावनी

हवाना, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

लैटिन अमेरिकी देश क्यूबा इन दिनों भयंकर बिजली संकट से गुजर रहा है। क्यूबा के मुख्य एनर्जी प्लांट एंटेनियो गिटारस पावर प्लांट में खराबी आ गई जिसके कारण क्यूबा के करोड़ों लोग तीसरे दिन भी देशव्यापी ब्लैकआउट का सामना कर रहे हैं। रॉयटर के मुताबिक, 24 घंटे ज्यादा बीत जाने के बाद भी अभी तक समस्या जस के तस है। हालांकि ग्रिड को तीन बार ठीक किया जा चुका है लेकिन बार-बार खराबी आ रही है।19 अक्टूबर 2024 को हवाना में राष्ट्रव्यापी ब्लैकआउट हुआ इसके दूसरे दिन लोग कार की लाइट का उपयोग करते हुए अपने दिनचर्या के काम करते देखे गए। क्यूबा के ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक इलेक्ट्रिक ग्रिड बंद होने से द्वीप के प्रमुख बिजली संयंत्रों में से एक एंटोनियो गुइटरस पावर प्लांट ठप हो गया, जिससे देश में ब्लैकआउट हो गया, मंत्रालय का कहना है कि समस्या को जल्द ठीक करा लिया जाएगा।क्यूबा के शीर्ष विद्युत अधिकारी लाजारो गुएरा ने कहा कि ग्रिड ऑपरेटर यूएनई,

कई विद्युत संयंत्रों को शुरू करने और देश के बड़े हिस्से में बिजली बहाल करने के लिए सिस्टम में पर्याप्त क्षमता बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। गुएरा ने कहा कि तकनीशियन समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस बात की कोई समयसीमा नहीं बताई कि क्षेत्र में बिजली कब बहाल होगी। क्यूबा का विद्युत ग्रिड शुक्रवार को दोपहर के समय पहली बार फेल हुआ था और प्लांट के तीन विद्युत संयंत्रों में से एक बंद हो गया। ग्रिड के ध्वस्त होने से पहले ही, शुक्रवार को बिजली की कमी के कारण कम्युनिस्ट सरकार को गैर-जरूरी सरकारी कर्मचारियों को घर भेजना पड़ा था और बच्चों की स्कूल की छुट्टियां करनी पड़ी।हालांकि शुक्रवार शाम को द्वीप के कुछ हिस्सों में रोशनी देखी गई जिससे यह उम्मीद जगी कि बिजली बहाल हो जाएगी। लेकिन रविवार आते आते ग्रिड एक बार फिर फेल हुए और करोड़ों लोग अंधेरे में डूब गए। वहीं, क्यूबा के शीर्ष विद्युत अधिकारी लाजारो गुएरा ने एक टीवी समाचार प्रसारण में कहा कि मैं आपको यह आश्वासन नहीं दे सकता कि हम सिस्टम को कब तक बहाल कर पाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने कहा कि डोमिनिकन गणराज्य के उत्तर में तूफान ऑस्कर के कारण आने वाले दिनों में क्यूबा के उत्तर-पूर्वी भागों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का खतरा है। वहीं, अधिकारियों को चिंता है कि तूफान ऑस्कर रविवार की सुबह पूर्वोत्तर क्यूबा में पहुंच गया, जिससे बिजली बहाल करने की सरकार की योजना को खतरा पैदा हो गया। क्यूबा के मौसम विज्ञान सर्वेक्षण ने पूर्वी क्यूबा में बेहद खतरनाक स्थिति की चेतावनी दी। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका ने शुक्रवार को क्यूबा के ग्रिड पतन में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया।क्यूबा के अधिकारियों ने कहा है कि यदि तत्काल ग्रिड पतन का समाधान हो जाता है, तो भी बिजली संकट जारी रहेगा।

यूको बैंक के डिप्टी मैनेजर समेत दो गिरफ्तार, फर्जी कागजात पर बैंक खाता खोलकर साइबर ठगों की करते थे मदद

गुरुग्राम, 21 अक्टूबर [एजेंसी]।

साइबर ठगों से संलिप्तता में बैंक कर्मचारियों की गिरफ्तार का सिलसिला थम नहीं रहा है। साइबर पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों पर बैंक खाता खोलने और फिर उसे साइबर ठगों को उपलब्ध कराने के एक और मामले में शनिवार को यूको बैंक के डिप्टी मैनेजर राम अवतार समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान ने बताया कि 23 जुलाई को एक व्यक्ति ने साइबर थाना पश्चिम में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर उनसे 24 लाख रुपये ठग लिए। केस दर्ज होने के बाद जांच में जुटी साइबर पुलिस तकनीकी सहायता लेकर उस आरोपी तक पहुंची, जिसके खाते में ठगी की रकम गई थी। पूछताछ के आधार शनिवार को बैंक खाता धारक व फर्जी कागजात पर बैंक खाता खोलने वाले कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान राजस्थान के मांगरोल निवासी कनिष्क विजय वर्गीय व जयपुर के जगतपुरा निवासी राम अवतार के रूप में की गई। इस समय दोनों जयपुर के मानसरोवर में अलग-अलग किराये से रहते थे।पुलिस पूछताछ में पता चला कि राम अवतार यूको बैंक मानसरोवर शाखा में डिप्टी मैनेजर के पद पर काम करता है। यह 2016 से बैंक में नौकरी कर रहा है तथा पिछले डेढ़ वर्ष से इस शाखा में तैनात है। ठगी में इस्तेमाल किया गया बैंक खाता आरोपी कनिष्क व राम अवतार ने मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेज पर खुलवाया था।फिर वही बैंक खाता कनिष्क ने एक अन्य आरोपी को साइबर ठगी के लिए उपलब्ध करवाया था। बैंक खाता उपलब्ध करवाने के लिए कर्मचारी तथा कनिष्क को सात-सात हजार रुपये मिलते थे। आरोपियों ने अब तक सात बैंक खाते फर्जी पते पर खोलकर साइबर ठगों को उपलब्ध करवाए।

दोनों को दिन दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। फरवरी से अब तक साइबर ठगी के विभिन्न मामलों की जांच के दौरान गुरुग्राम साइबर पुलिस ने 20 बैंक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। सवाल उठता है कि आरबीआइ की ओर से इतने कड़े नियमों के बावजूद बैंक प्रबंधन इन नियमों की जांच क्यों नहीं कर रहा है। बैंक कर्मचारियों के कामकाज की देखरेख क्यों नहीं हो रही है। कई मामलों में तो बैंक कर्मचारी सीधे तौर पर फर्जीवाड़े में संलिप्त मिले।

कशिका कपूर लव यू फादर के साथ कर रही है अपना टॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड डेब्यू के बाद, आयुष्मती गीता मैट्रिक पास की अभिनेत्री कशिका कपूर टॉलीवुड इंडस्ट्री में लव यू फादर के साथ कदम रखने जा रही हैं। यह फिल्म पुष्पा- द राइज के सह-निर्देशक पवन केथाराजु द्वारा निर्देशित है। कशिका कपूर अब दोनों इंडस्ट्रीज़ में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं और वह इस समय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे होनहार उभरती सितारों में से एक के रूप में पहचानी जा रही हैं।

आयुष्मती गीता मैट्रिक पास, जो लड़कियों की शिक्षा के संदेश पर आधारित है, से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद, कशिका अब अपनी नई फिल्म लव यू फादर के साथ टॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। लव यू फादर एक भावनात्मक कहानी है जो एक पिता और बेटी के बीच के रिश्ते को दर्शाती है। इस फिल्म में कशिका मुख्य भूमिका में होंगी, और उनके साथ श्री हर्षा मुख्य पुरुष किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा, नवाब शाह, जिन्हें डॉन 2 और दिलवाले में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जाना जाता है, भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। नवाब शाह की उपस्थिति इस प्रोजेक्ट को और भी प्रभावशाली बनाती है। फिल्म की कहानी एक पिता-पुत्र की जोड़ी पर आधारित है, जहां एक पिता अपने बेटे के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की कोशिश करता है। यह पूरी कहानी काशी की पृष्ठभूमि में घटित होती है और इसमें शिवा के आदर्श को प्रस्तुत करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है। फिल्म में एस.पी. चरण, रघु बाबू, शकलाका शंकर और अर्जुन श्रीवास्तव जी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कशिका ने कहा, हर दिन ऐसा महसूस होता है जैसे मैं अपने सपनों की ओर एक नई सीढ़ी चढ़ रही हूं। दोनों फिल्में मेरे दिल के बहुत करीब हैं और मैं इन प्रोजेक्ट्स में डाली गई मेहनत और समर्पण को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। लव यू फादर के साथ एक नई इंडस्ट्री में कदम रखना और पिता-पुत्र के खूबसूरत रिश्ते को दर्शाने वाली इस कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। मुझे यकीन है कि दर्शक इस फिल्म से व्यक्तिगत रूप से जुड़ेंगे। आयुष्मती गीता मैट्रिक पास जहां लड़कियों की शिक्षा के मजबूत संदेश पर केंद्रित है, वहीं लव यू फादर पारिवारिक रिश्तों की भावनाओं को गहराई से दिखाने वाली फिल्म है।

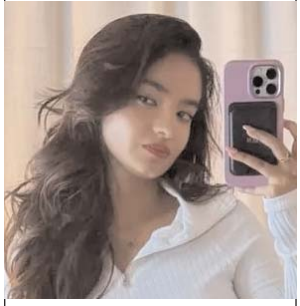

क्रॉप टॉप पहने अनुष्का सेन ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो बेहद ही शानदार पोज देते हुए अलग-अलग आउटफिट में फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही तबाही मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपनी अलग-अलग आउटफिट्स में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस अनुष्क सेन जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर फिदा हो जाते हैं। ये ही नहीं उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कभी ब्लैक टॉप तो कभी ग्रै टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं। वहीं, वो मिरर सेल्फी लेते हुए अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

बालों को बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस की खूबसूरती देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स

अचानक उल्टी जैसा महसूस हो रहा है? इन 5 खाद्य पदार्थों के सेवन से मिलेगा आराम

तबीयत खराब होने पर या ज्यादा खा लेने पर कई बार उल्टी जैसा महसूस होने लगता है और जी मिचलाने लगता है। यह एक सामान्य पाचन संबंधी समस्या है, लेकिन इस दौरान खाने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो जाता है।हालांकि, कई ऐसे खाद्य पदार्थ भी होते हैं, जिन्हें खाकर आप उल्टी की समस्या को दूर कर सकते हैं।उल्टी आने पर अपनी डाइट में ये खाद्य पदार्थ जोड़ें और इस स्वास्थ्य संबंधी समस्या से तुरंत राहत पाएं।

केले

केले सबसे स्वस्थ फलों में गिने जाते हैं, जिनमें भरपूर मात्रा में पोटैशियम मौजूद होता है। यह पेट के लिए हल्के और फायदेमंद होते हैं, क्योंकि यह दस्त से राहत दिलाते हैं।केले में पाए जाने वाले पोषक तत्व इलेक्ट्रोलाइट्स को वापस लौटा सकते हैं, जो उल्टी करने पर शरीर से निकल जाते हैं।इस फल की नरम बनावट और हल्का मीठा स्वाद जी मिचलाने की समस्या को दूर भगाने में सक्षम होता है।

ब्रेड टोस्ट

हम में से कई लोग सुबह उठकर नाश्ते में ब्रेड टोस्ट खाना पसंद करते हैं। यह आसानी से तैयार हो जाने वाला व्यंजन उल्टी की समस्या को दूर कर सकता है।जब आपका जी मिचला रहा हो, तब आपको ब्रेड टोस्ट जैसे नरम और स्टार्च युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए।हालांकि, आपको ब्रेड पर मक्खन या जैम आदि नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि उनकी खुशबु से दोबारा उल्टी आ सकती है।

सादे उबले हुए आलू और चावल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि जी मिचलाने पर स्टार्च युक्त भोजन करना चाहिए। इस तरह के भोजन में उबले हुए आलू और चावल भी शामिल होते हैं।चावल या सादे आलू बनाने में आसान होते हैं और इनमें अधिक कैलोरी होती हैं। ये आपके पेट को स्वस्थ बनाने और आपको ऊर्जा प्रदान करने में मदद कर सकते हैं।चावल और उबले हुए आलू की अपनी कोई सुगंध नहीं होती है, जिसके कारण इन्हें खाने से फायदा मिल सकता है।

अदरक

अदरक एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जिसके सेवन से उल्टी की समस्या का निवारण किया जा सकता है।इसमें पाया जाने वाला जिंजरोल पेट से जुड़ी समस्याओं का इलाज करने में मदद करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है।आप इस खाद्य पदार्थ को कच्चा चबा सकते हैं, इसकी चाय बना सकते हैं या इसे पानी में मिलाकर पी सकते हैं।अदरक में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड जी मिचलाने की परेशानी का प्रभावी ढंग से इलाज कर सकते हैं।

हर्बल चाय- अक्सर जी मिचलाने पर बड़े-बुजुर्ग हर्बल चाय पीने की सलाह देते हैं, जो फायदेमंद साबित हो सकती है। जब भी आपको उल्टी जैसा महसूस हो, तो आप एक कप कैमोमाइल, पुदीने या लैवेंडर की चाय पीएं।इसके अलावा, आप एक गिलास पानी में नींबू निचोड़कर भी पी सकते हैं। इसके जरिए भी पेट की समस्याएं दूर होती हैं और उल्टी आना बंद हो जाता है।आप ब्लड शुगर को कम करने के लिए इन फूलों का सेवन कर सकते हैं।

सिर की खुजली से हैं परेशान? राहत के लिए टी ट्री तेल का करें उपयोग

टी ट्री तेल एक फायदेमंद एसेंशियल ऑयल है, जो सिर की खुजली को दूर करने में काफी मदद कर सकता है।इसके फंगस हटाने वाले और कीटाणुनाशक गुण स्कैल्प की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं।इस लेख में हम जानेंगे कि टी ट्री तेल का उपयोग कैसे करें ताकि आपके सिर की खुजली कम हो सके और बाल स्वस्थ रहें।

टी ट्री तेल का सीधा इस्तेमाल करें

टी ट्री तेल को सीधे स्कैल्प पर लगाने से पहले इसे किसी अन्य तेल जैसे नारियल या जैतून के तेल में मिलाना चाहिए। इससे त्वचा पर जलन नहीं होती और इसका असर भी बढ़ता है।2-3 बूंदें टी ट्री तेल को लेकर 1 चम्मच नारियल तेल में मिलाएं और इसे अपने स्कैल्प पर हल्के हाथों से मालिश करें। इस मिश्रण को कम से कम 30 मिनट तक छोड़ दें और फिर शैंपू से धो लें।

नियमित रूप से इस्तेमाल करें

टी ट्री तेल का असर तभी दिखेगा जब आप इसे नियमित रूप से इस्तेमाल करेंगे।हफ्ते में कम से कम 2 बार इसका इस्तेमाल करना चाहिए। इससे न केवल आपकी खुजली कम होगी, बल्कि बाल भी मजबूत और चमकदार बनेंगे।इसके अलावा नियमित इस्तेमाल से स्कैल्प की अन्य समस्याएं भी दूर हो सकती हैं। टी ट्री तेल के एंटी-फंगल और कीटाणुनाशक गुण स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखते हैं, जिससे बालों की जड़ें भी मजबूत होती हैं।

शैंपू में मिलाकर इस्तेमाल करें

अगर आपको सीधे तेल लगाना पसंद नहीं है तो आप अपने शैंपू में भी टी ट्री तेल मिला सकते हैं।इसके लिए अपने रोजमर्रा के शैंपू की बोतल में 10-15 बूंदें टी ट्री तेल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। हर बार बाल धोते समय इस मिश्रण का इस्तेमाल करें।इससे आपके बालों को नमी मिलेगी और स्कैल्प की खुजली भी कम होगी। नियमित इस्तेमाल से बाल मजबूत और चमकदार बनेंगे।

एंटी-फंगल गुणों का लाभ उठाएं

टी ट्री तेल के फंगस हटाने वाले गुण होते हैं, जो फंगस को खत्म करने में मदद करते हैं।अगर आपके स्कैल्प पर फंगस की वजह से खुजली हो रही है तो यह तेल बहुत असरदार साबित होगा।इसके नियमित उपयोग से फंगस धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा और आपकी त्वचा स्वस्थ रहेगी। यह तेल न केवल खुजली को कम करता है, बल्कि बालों की जड़ें भी मजबूत बनाता है और बाल चमकदार होते हैं।

घरेलू उपायों के साथ संयोजन करें

टी ट्री तेल को अन्य घरेलू उपायों के साथ मिलाकर भी इस्तेमाल किया जा सकता है जैसे एलोवेरा जेल या नीम पाउडर। इनका मिश्रण बनाकर स्कैल्प पर लगाने से आपको जल्दी राहत मिलेगी और परिणाम बेहतर होंगे।इन उपायों का नियमित उपयोग करने से स्कैल्प की खुजली कम होगी और बाल स्वस्थ रहेंगे।इस प्रकार टी ट्री तेल का सही इस्तेमाल करके आप अपने खुजली वाले स्कैल्प को आराम दे सकते हैं और बाल स्वस्थ बना सकते हैं।

कंगुवा का दूसरा गाना वामोस ब्रिंकर बेबी में होगा रिलीज

तमिल सुपरस्टार सूर्या अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. कंगुवा अगले महीने रिलीज होने जा रही है. इससे पहले साल 2024 की सबसे महंगे बजट की फिल्म कंगुवा का दूसरा गाना वामोस ब्रिंकर बेबी रिलीज होने जा रहा है. कंगुवा के मेकर्स स्टूडियो ग्रीन ने गाने वामोस ब्रिंकर बेबी का टाइटल पोस्टर भी शेयर किया है. साथ ही पोस्टर पर गाने की रिलीज डेट भी लिखी हुई है. सॉन्ग वामोस ब्रिंकर बेबी कब रिलीज होगा.वामोस ब्रिंकर बेबी के पोस्टर पर नजर डाले थे, सूर्या एक गाड़ी पर हाथ में बोतले लिए झूमते दिख रहे हैं और वहीं उनकी बगल में उनकी हीरोइन बैठी हुई है. सनसेट का नजारा पोस्टर को रोमांटिक बना रहा है, लेकिन यह एक पार्टी सॉन्ग बताया जा रहा है, जिसे पुष्पा के म्यूजिक डायरेक्ट देवी सिंह प्रसाद ने कंपोज किया है. बता दें, सॉन्ग वामोस ब्रिंकर बेबी आगामी अक्टूबर को रिलीज होने जा रहा है. अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने फिल्म के दूसरे सिंगल, वामोस ब्रिंकर बेब की रिलीज की घोषणा करते हुए एक कमाल का पोस्टर शेयर किया है. साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है, रात भर नाचने के लिए तैयार हो जाइए, कंगुवा से दूसरा सिंगल अक्टूबर को होगा रिलीज, देवी सिंह प्रसाद म्यूजिकल.

बाहुबली 3 के लिए फिर साथ आएंगे प्रभास और एसएस राजामौली, निर्माता का खुलासा

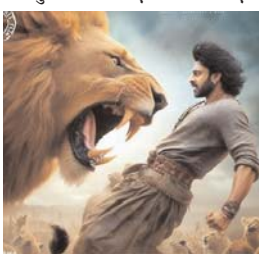

साउथ के सुपरस्टार कहे जाने वाले प्रभास की फिल्म बाहुबली- द बिगिनिंग को 10 जुलाई, 2015 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसकी सफलता के बाद 2017 में इस फिल्म की सीक्वल बाहुबली 2 द कन्क्लूजन आया और इसे भी दर्शकों का खूब प्यार मिला। इन दोनों फिल्मों का निर्देशन एसएस राजामौली ने किया था।अब खबर आ रही है कि बाहुबली की तीसरी कड़ी बाहुबली 3 पर जल्द काम शुरू होने वाला है। बाहुबली 3 के लिए प्रभास एक बार फिर राजामौली के साथ हाथ मिलाने वाले हैं।इस बात का खुलासा जाने-माने फिल्म निर्माता केई ज्ञानवेल राजा ने किया है, जो इस वक्त सूर्या, दिशा पाटनी और बॉबी देओल जैसे सितारों से सजी फिल्म कंगुवा को लेकर चर्चा में हैं।हाल ही में एक साक्षात्कार में ज्ञानवेल ने बाहुबली 3 पर मुहर लगाई। इसके साथ उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की कहानी पर काम जल्द शुरू हो जाएगा।ज्ञानवेल ने कहा, फिल्म बाहुबली 3 बन रही है। पिछले हफ्ते मैंने फिल्म के निर्माताओं के साथ बातचीत की है। उन्होंने बाहुबली और बाहुबली 2 को एक के बाद एक बनाया, लेकिन अब निर्माता कुछ अंतराल के बाद बाहुबली 3 की योजना बना रहे हैं।बता दें कि बाहुबली ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 118.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं बाहुबली 2 510.99 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

शब्द सामर्थ्य -213

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुसबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

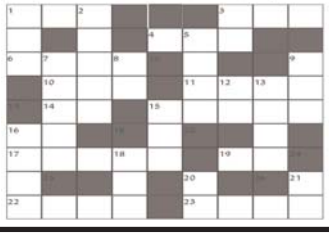

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 212 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		ध		र	श्मि
ख	धा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्थ		ख
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

जाट से साउथ सिनेमा में सनी देओल का डेब्यू, बर्थडे पर आया फर्स्ट लुक

एक समय सनी देओल की फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता था। हालांकि, कुछेक फ्लॉप फिल्मों के बाद उनका करियर पटरी से उतरने लगा, लेकिन गदर 2 से फिर सनी को उनका खोया हुआ स्टारडम वापस मिल गया। इस फिल्म से उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ।अब सनी फिल्म जाट से साउथ में धमाका करने को तैयार हैं। उनके जन्मदिन पर इस फिल्म से उनकी पहली झलक भी सामने आ गई है।

सनी ने जो पोस्टर साझा किया है, उसमें वह हाथ में एक बड़ा सीलिंग फैन लिए दिख रहे हैं। उनके चेहरे पर उनका शानदार गुस्सेवाला रौब दिख रहा है।इसके साथ सनी ने लिखा कि धमाकेदार एक्शन के लिए तैयार रहें।उनका लुक देख एक फैन ने लिखा, पोस्टर हो तो ऐसा। एक लिखते हैं, ढेरों शुभकामनाएं। ब्लॉकबस्टर आ रही है।। एक ने लिखा, फिर गदर मचाएंगे पाजी। एक फैन लिखते हैं, एक्शन का असली हीरो वापस आ गया है।

बता दें कि यह फिल्म साउथ के जाने-माने निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में बन रही है। फिल्म की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। अब खबर आ रही है कि जाट अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।गोपीचंद ने सनी को ध्यान में रखकर इस फिल्म की कहानी लिखी है। इसमें अभिनेता का जबरदस्त एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।फिल्म में सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी नजर आएंगी।

इस फिल्म का निर्माण पुष्पा और पुष्पा 2 के निर्माता कर रहे हैं। इसके जरिए सनी साउथ में कदम रख रहे हैं।गोपीचंद फिल्म के निर्देशक हैं, जिनसे दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं।उनकी पिछली फिल्म वीरा सिम्हा रेड्डी भी सफल रही थी। निर्देशक ने इसमें बालकृष्ण को पर्दे पर बेहतरीन तरीके से पेश करने के लिए खूब तारीफें बटोरीं।अब वह भारत की नंबर वन एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। रणदीप हुड्डा भी इसका हिस्सा हैं।

सनी फिल्म रामायण में हनुमान की भूमिका में दिखेंगे, वहीं इसके दूसरे भाग में वह मुख्य भूमिका निभाएंगे, जो पूरी तरह से भगवान हनुमान पर केंद्रित होगा।सनी गदर 3 में भी दिखेंगे, जिसमें वह तारा सिंह बनकर फिर धमाल मचाएंगे। अपने 2 भी उनकी आने वाली फिल्मों में शामिल है।बॉर्डर 2 के हीरो भी सनी ही हैं, जिसमें उनके साथ प्रीति जिंटा नजर आएंगी। हाल-फिलहाल में इस फिल्म से सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी जुड़े हैं।

सुजॉय घोष की फिल्म किंग में शाहरुख खान निभाएंगे हत्यारे की भूमिका

अभिनेता शाहरुख खान पिछली बार फिल्म डंकी में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।85 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 212.42 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।पिछले कुछ समय से शाहरुख अपनी आगामी फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान सुजॉय घोष ने संभाली है।अब इस फिल्म में शाहरुख के किरदार से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर सामने आ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, किंग में शाहरुख एक हत्यारे की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते दिखाई देंगे।किंग खान को एक बार फिर खलनायक के किरदार में देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने बाजीगर, अंजाम और डर जैसी फिल्म में नकारात्मक किरदार निभाया है।इस फिल्म की कहानी सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर होने वाली है।

शाहरुख की किंग इसलिए ज्यादा खास है, क्योंकि इसके जरिए वह पहली बार अपनी बेटी और अभिनेत्री सुहाना खान के साथ काम करने वाले हैं।इस फिल्म में अभिषेक बच्चन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभय वर्मा भी फिल्म का हिस्सा हैं।किंग की कहानी लिखी जा चुकी है और अगले साल की शुरुआत में यानी जनवरी, 2025 में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।यह फिल्म ईद, 2026 के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

हवाई सेवा के नक्शे में अंबिकापुर हुआ शामिल

क्षेत्रवासियों के बरसों का सपना हुआ साकार :साय

अंबिकापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा, अंबिकापुर का वाराणसी से रिमोट दबाकर वर्चुअल शुभारंभ किया। वे शाम 5 बजे से बनारस से लाइव जुड़े थे। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि पहले देश में 70 एयरपोर्ट थे, अब 150 से ज्यादा एयरपोर्ट हैं। जो पुराने एयरपोर्ट हैं, उनका भी रिनोवेशन हो रहा है। श्री मोदी ने कहा कि कनेक्टिविटी से स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यवसाय, पर्यटन आदि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा विगत दस सालों में निवेश से नागरिक सुविधाओं में बढोत्तरी हुई है, अधोसंरचना विकास के साथ नवजवानों को नए नौकरी के अवसर भी मिले हैं। इस अवसर पर एयरपोर्ट स्थल से सांकेतिक रूप से 19 सीटर विमान ने रायपुर के लिए उड़ान भरी।

राज्यपाल रमेन डेका ने कार्यक्रम में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हमारे लिये एक महत्वपूर्ण क्षण है, मां महामाया एयरपोर्ट से विमान अपनी गति प्राप्त करेगा और उड़ान भरेगा, जिससे सरगुजा संभाग में विकास के नये आयाम खुलेंगे। एयरपोर्ट के माध्यम से इस क्षेत्र के नागरिकों और उद्योगपतियों के लिये एक बेहतर संचार सिस्टम स्थापित होगा। बस्तर के बाद सरगुजा प्रदेश का दूसरा बड़ा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। एयरपोर्ट सेवा से यहां के अंचल का विकास होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह उड़ान छत्तीसगढ़ को नई दिशा की ओर ले जायेगी, सरगुजा प्रदेश ही नहीं अपितु पूरे देश में विकास की एक नई उड़ान तय करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विज़न, देश में बेहतर विमानन सेवा की स्थापना करना है और देश के सभी हिस्सों को इससे जोड़ना है। एयरपोर्ट लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों का बरसों का सपना अब साकार हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश मे हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज का सफर करेगाद्य यह सपना साकार हो रहा है, हवाई सेवा के नक्शे में अंबिकापुर को शामिल करने के लिए उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा आमजन के हवाई जहाज से सफर करने का सपना साकार हुआ है जिससे उनका आर्थिक दर्जा भी बढ़ेगा। मां महामाया एयरपोर्ट ना केवल राज्य की राजधानी को बल्कि अन्य राज्य को जोड़ने का कार्य भी करेगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर के बाद अंबिकापुर में हवाई सेवा का शुभारंभ हो रहा है। आम नागरिक भी उड़ान के अपने सपनों को साकार कर सकेंगें। एयरपोर्ट से कनेक्टीविटी की सुविधा में विस्तार होगा जिससे पर्यटन, व्यापार इत्यादि में क्षेत्र के स्थानीय लोगों और व्यापरियों को लाभ होगा। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि उड़ान योजना के तहत देश के 100 एयरपोर्ट को चिह्नित कर देशवासियों के आवश्यकता अनुरूप अंबिकापुर को भी इसमें शामिल किया गया। जिससे सरगुजा संभाग के क्षेत्रवासियों रोजगार को मिलेगा और क्षेत्र के पर्यटन में विकास होगा। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि कई सालों के बाद यह अवसर आया है। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर को एयरपोर्ट की सौगात प्राप्त हुआ है। जिससे क्षेत्र के लोगों के लिये रोजगार की संभावनाएं बढ़ेगी आर्थिक विकास की रफ्तार में तेज़ी आयेगी। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज अंबिकापुर में नया इतिहास लिखा जा रहा है, आराध्य देवी माँ महामाया के नाम से एयरपोर्ट को जाना जायेगा। शीघ्र ही यहां से हवाई सेवा की शुरुआत होगी। शासन के सार्थक प्रयास से क्षेत्र को हवाई सेवा की सौगात मिली है।

यहां से विमान सेवा शुरू होगी, जिससे नि:संदेह यहां के क्षेत्रवासियों को लाभ होगा। माँ महामाया एयरपोर्ट दरिमा, अम्बिकापुर लगभग 365 एकड़ में फैला हुआ है, एयरपोर्ट के सिविल एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु राशि रू. 48.25 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें रनवे सुधार एवं विस्तार व एप्रन तथा टैक्सी-वे निर्माण कार्य हेतु राशि रू. 35.19 करोड, ड्रेनेज निर्माण कार्य हेतु राशि रू. 1.80 करोड, बाउण्ड्रीवाल के कार्य हेतु राशि 1.98 करोड़ , टर्मिनल बिल्डिंग का उन्नयन कार्य हेतु राशि रू. 1.15 करोड़ , फायर स्टोर व ट्रेनिंग सेंटर, मौसम विभाग एवं ग्राउण्ड स्टॉफ,पेनल रूम व सी.सी.आर. रूम एंटी हाईजेकिंग रूम हेतु राशि 0.61करोड़ , एप्रोच रोड हेतु राशि . 0.61 करोड़,सी.एन.ए सत्र, एटीसी स्टोर, 6 नग वॉच टॉवर, फायर शेड रिपेयर एवं पापी लाईट केबलिंग हेतु राशि 0.91 करोड एवं अन्य विद्युतीकरण कार्य हेतु राशि 2.14 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त सभी कार्य डीजीसीए मानक अनुरूप कराया गया है। मां महामाया एयरपोर्ट का उन्नयन वर्ष 2012-13 में उड़ान योजना अंतर्गत लिया गया, जिसके तहत हवाई अड्डे का विकास 3 सीवीआरएफ के मानक के अनुरूप किया गया। विशेष रूप से रनवे की लम्बाई 1500 मीटर से बढ़ाकर 1800 मीटर किया गया है। टर्मिनल भवन का उन्नयन 72 यात्रियों के अनुरूप कराया गया। हवाई अड्डे में लगभग 100 वाहन की पार्किंग की व्यवस्था के साथ टर्मिनल भवन तक फोरलेन सड़क का निर्माण कराया गया। एयरपोर्ट में उच्च गुणवत्ता एटीसी, मेट ऑफिस, एंटी हाइजैक रूम, फायर स्टोर एंड ट्रेनिंग सेंटर जीडी इलेक्ट्रिक पेनल रूम का निर्माण किया गया है। सरगुजा संभाग में एयरपोर्ट के संचालन से अंचल वासियों को सीधा लाभ मिलेगा। हवाई सेवा प्रारंभ होने से संभाग की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी , यहां के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा एवं स्थानीय लोगों को रोजगार का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

मां महामाया एयरपोर्ट बनकर तैयार है, जहां से शीघ्र ही नागरिक उड़ान का आनंद ले पायेंगे। लोकार्पण एवं वर्चुअल शुभारंभ पर आयोजित समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज, विधायक अम्बिकापुर राजेश अग्रवाल, विधायक सीतापुर रामकुमार टोप्पो, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी, अध्यक्ष राज्य युवा आयोग छत्तीसगढ़ विश्वविजय सिंह तोमर एवं संचालक विमानन छ.ग. शासन संजीव झा, सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेंद्र, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर विलास भोसकर व पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

लुंड्रा के पूर्व कांग्रेस विधायक डा. प्रीतम राम के वाहन पर हुआ हमला

राजपुर। लुंड्रा के पूर्व विधायक डा प्रीतम राम के वाहन पर शनिवार की रात अज्ञात तत्वों ने पत्थरबाजी की है। उनके वाहन पर गोली की तरह तेज आवाज आई, इस कारण चालक ने वाहन नहीं रोका और रात के अंधेरे में वहां सीधे वापस ले आया। पूरे घटनाक्रम की जानकारी उन्होंने सूरजपुर और बलरामपुर एसपी से करते हुए जांच की मांग की है। पूर्व विधायक ने बलरामपुर एसपी एवं सूरजपुर एसपी को पत्र लिखकर अज्ञात हमलावरों पर कार्रवाई करने की मांग की है।बता दें, चुनाव हारने के बाद पूर्व विधायक डा प्रीतम राम की सुरक्षा हटा दी गई है। पूर्व विधायक डा प्रीतम राम ने पुलिस अधिकारियों को लिखे पत्र में बताया है कि 19 अक्टूबर को मैं अपने निवास राजपुर से शाम को करीब छह बजे ग्राम कोदौरा, थाना डौरा चौकी में सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था।वहां से वापस रात करीब 10 बजे लगभग कोदौरा से प्रतापपुर की ओर पांच किलोमीटर से पहले मे लगभग मेरे इनोवा वाहन के दाहिने तरफ पीछे गेट में एवं ड्राइवर के तरफ साइड ग्लास में हमला किया गया। हमला इतना जोर से किया गया कि बहुत तेज आवाज आई जैसे गोली चली हो।यदि हमले से गाड़ी की शीशा टूटा होता तो हम लोग हताहत हो सकते थे। चालक बिना रोके तेजी से आगे बढ़ा दिया। यदि वहां गाड़ी रोकते तो कुछ भी अप्रिय स्थिति निर्मित हो सकती थी। उन्होंने बताया कि मेरे साथ में सुरेश सोनी और चालक थे। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व की भांति अगर मेरे सुरक्षा कर्मी होते तो मुझे डर नहीं होता पर मेरी सुरक्षा हटा दी गई है इसे मुझे ज्यादा डर है।

हत्यारोपित कुलदीप की निशानदेही पर पिस्टल मोबाइल व कार की चाबी बरामद

सूरजपुर। नगर में प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और पुत्री की हत्या समेत पुलिस पर फायरिंग करने, एक आरक्षक पर खौलता तेल उड़ेलकर हत्या की कोशिश करने तथा पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ा कर जान से मारने की कोशिश करने के मामले में गिरफ्तारी के बाद दूसरी बार रिमांड पर लिए गए मुख्य आरोपित कुलदीप साहू की निशानदेही पर पुलिस टीम ने आरोपित की पिस्टल समेत उसका मोबाइल एवं घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार की चाबी बरामद कर ली है।

13 अक्टूबर की रात में सूरजपुर के पुराना बस स्टैंड स्थित चौपाटी में कोतवाली के आरक्षक घनश्याम सोनवानी पर खौलता तेल उड़ेल का जान से मारने की कोशिश करने के बाद भागते समय कोतवाली के समीप उसे रोक रहे पुलिसकर्मियों पर कर चढ़ा कर करने की कोशिश करने के साथ ही उसी रात पीछा कर रहे विश्रामपुर टीआई अलरिक लकड़ा व पुलिस टीम पर कई बार फायरिंग करने के बाद मुख्य आरोपित कुलदीप साहू भागने में सफल रहा था। आरोपित के फायरिंग के जवाब में सुरक्षा के मद्देनजर टीआई अलरिक लकड़ा ने भी आठ राउंड फायरिंग की थी। टीआई की रिपोर्ट पर लटोरी चौकी में मुख्य आरोपित कुलदीप साहू के विरुद्ध हत्या के प्रयास का अपराध दर्ज किया गया था।

इसके अलावा उक्त मामलों में भी बलरामपुर पुलिस ने गढ़वा झारखंड से यात्री बस में आ रहे आरोपित कुलदीप साहू को गिरफ्तार किया था। घटना में प्रयुक्त सामानों की बरामदगी के लिए तीन दिनों तक पुलिस रिमांड में लेने के बाद सूरजपुर पुलिस ने केवल कुलदीप साहू को एक बार फिर तीन दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया था। कोतवाली टीआई विमलेश दुबे ने उक्त आशय की पुष्टि करते हुए बताया कि उक्त वारदातों के मास्टरमाइंड एवं मुख्य आरोपित कुलदीप साहू की निशानदेही पर पुलिस पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस टीम ने हत्याकांड के सहयोगी आरोपी सूरज साहू के करवां गांव स्थित मकान के पीछे केला पेड़ में छुपा कर रखी गई पिस्टल समेत आरोपित के मोबाइल एवं गांव के ही एक ग्रामीण को दी गई घटना में प्रयुक्त कार की चाबी को बरामद कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपित कुलदीप साहू को सोमवार को पुन: न्यायालय में पेश किया जाएगा।

कोचियों की फरारी के चलते कुटेसर में अवैध शराब बिक्री थमी

रायपुर। अवैध शराब बिक्री से त्रस्त ग्राम कुटेसर के ग्रामीणों को फिलहाल राहत मिला हुआ है । मंदिर हसौद थाना में शिकायत के बाद कोचिये तो पुलिस के गिरफ्त में नहीं आये हैं पर उनके फरारी के चलते ग्राम में फौरी तौर पर अवैध शराब बिक्री थमा हुआ है। इधर पियक्कड़ों का मजमा अब निकटस्थ ग्राम सोनपैरी व बड़गांव में जुटने लगा है जहां पुलिसिया रिकार्डधारी अधिकतर कोचियों द्वारा शराब बेचने की शिकायत है। ज्ञातव्य हो कि छतौना - टेकारी मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित ग्राम कुटेसर में अवैध शराब बिक्री से त्रस्त ग्रामीणों की बैठक के बाद सरपंच श्रीमती कामिनी लक्ष्मण यादव व? उपसरपंच पिंकी बंजारे की? अगुवाई में ग्रामीणों ने बीते नवरात्रि के प्रथम दिवस थाना प्रभारी सचिन सिंह को ज्ञापन सौंपने के साथ - साथ इस मसले पर सतत् सहयोग करने वाले किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेन्द्र शर्मा व इस ग्राम के कोचियों द्वारा बड़गांव की सीमा तक आ शराब बेचने की शिकायत करने वाले बड़गांव सरपंच श्रीमती रामबाई मुरारी यादव को सौंप सहयोग का आग्रह किया था। शर्मा ने भी सिंह से जनभावना का सम्मान करते हुये इस ग्राम में शराब बिक्री न होने देने पुख्ता कार्यवाही का अनुरोध किया था । सक्रिय थाना अमला के लगातार दबिश के बाद भी कोचिये पुलिस के हत्थे न चढ़ लुकाछिपी का खेल खेलते रहे व दिन भर गायब रह शाम ढले गांव आ ?शराब बेचते रहे । इसकी जानकारी ग्रामीणों द्वारा थाना प्रभारी व श्री शर्मा को लगातार दी जाती रही लेकिन पता नहीं ऐसा क्या हुआ कि बीते 4-5 दिनों से कोचिये अचानक ही गांव से गायब हो गये हैं जिसके चलते ग्राम में अवैध शराब बिक्री पर फिलहाल विराम लगा हुआ है । ग्रामवासी इसी से खुश हैं और प्रार्थना कर रहे कि कोचिये ऐसे ही स्थायी रुप से गांव के बाहर रहे। ग्रामीणों के अनुसार पियक्कड़ों की भीड़ अब नजदीकी ग्राम सोनपैरी व बड़गांव की ओर रूख कर रहे हैं।

रायपुर दक्षिण सीट पर कांग्रेस से युवा के साथ दिग्गज चेहरों के नाम चर्चा में

रायपुर। रायपुर की दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां जोर आजमा रही है। इस बीच सियायी गलियारे से बड़ी खबर सामने आ रही है। भाजपा के बाद कांग्रेस जल्द अपना उम्मीदवार घोषित कर सकती है। भाजपा ने दक्षिण के दंगल में सुनील सोनी को अपना प्रत्याशी बनाया है। जिसके बाद अब कांग्रेस को चुनावी मैदान में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी से दो-दो हाथ करने वाले चेहरे की तलाश है। कांग्रेस में लगातार मंथन का दौरा जारी है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के शासन में सभी उपचुनाव में सत्ता पार्टी का कब्ज़ा रहा। रायपुर दक्षिण उपचुनाव को लेकर भी ऐसा ही विश्लेषण किया जा रहा है। हालांकि कांग्रेस में संभावित उम्मीदवार की लिस्ट में युवा से लेकर दिग्गज कैंडिडेट शामिल है। इन्ही में से एक नाम है, जिसे लेकर खबर आ रही है कि वह ही रायपुर दक्षिण से कांग्रेस का चेहरा होंगे।

बूढ़ातालाब को बचाने ग्रीन आर्मी ने किया प्रदर्शन

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही ग्रीन आर्मी बूढ़ा गार्डन को बचाने के लिए सामने आई है। प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने बताया कि पर्यटन विभाग को चौपाटी के नाम पर तालाबों और धरोहर से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। जहां चौपाटी निर्माण किया जा रहा वहां से बहुत ही नजदीक, दानी गर्ल्स स्कूल है जाहिर सी बात है पालक अपनी बेटियों की सुरक्षा की दृष्टिकोण से गर्ल्स स्कूल में दाखिला करवाते है, ऐसे में चौपाटी के निर्माण से बेटियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठते है, चौपाटी की छत से दानी गर्ल्स स्कूल सीधे दिखाई दे रही है। यही नहीं यहां हजारों स्थानीय निवासी से लेकर शहरवासी तक मॉर्निंग वॉक, योगा, एवं स्वास्थ लाभ लेने रोजाना उपस्थित होते है। जिस पाथवे पर चलकर लोग स्वास्थ लाभ ले रहे है, वहां इतनी बड़ी लोहे का स्ट्रक्चर खड़े कर चौपाटी का निर्माण इंसानों के साथ, पंछियों, जीव जंतुओं, से लेकर पर्यावरण के लिए हानि कारक है, साथ ही हमारा धरोहर बूढ़ातालाब केवल एक डस्टबिन बनकर रह जाएगा। संस्था कर चुकी है पहले भी चौपाटी का विरोधसंस्था प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे ने कहा बूढ़ा तालाब में चौपाटी निर्माण के लिए संस्था पहले भी विरोध दर्ज करा चुकी है, संस्था वर्ष 2019 में एक व्यक्ति एक धमेला कार सेवा प्रदान कर बूढ़ातालाब को बचाने एवं संवारने हेतु कार्य कर चुकी है, जो शहरवासियों से अछूता नहीं है, ऐसे में पाथवे पर अगर चौपाटी निर्माण का कार्य किया जाता है तो संस्था इसके विरोध में रोड की लड़ाई लड़ेगी। गुरदीप टुटेजा ग्रीन आर्मी रायपुर जिला अध्यक्ष ने कहा चौपाटी बनी तो उसमें लगने वाली छौंक से टहलने वाले से लेकर जीव जंतुओं का जीना दूभर हो जाएगा।ग्रीन आर्मी संस्था द्वारा आज लगभग 100 सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों के उपस्थित में चौपाटी निर्माण का विरोध दर्ज किया गया। इसके बावजूद भी अगर चौपाटी निर्माण सफल रहा तो फूड्स सामग्री की खरीद नहीं करने हेतु शहरवासियों से अपील करेंगे। आज के कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों एवं पर्यावरण प्रेमियों का प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे ने आभार व्यक्त किया है।

हाथी-मानव द्वंद : मुख्यमंत्री से फसल मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग

रायपुर। हाथियों और वन्यजीवों के लिए कार्यरत प्रदेश के नामी एन.जी.ओ. और वन्यजीव प्रेमियों ने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि हाथियों से प्रभावित फसलों की वर्तमान में निर्धारित मुआवजा राशि रुपये 9 हजार से बढ़ाकर रुपये 50 हजार प्रति एकड़ की जाए, इससे किसानों और ग्रामीणों की नाराजगी कम होगी और फसल बचाने जाते वक्त अचानक हुए हमलों से होने वाली जनहानि में भी कमी आएगी। हाथियों से फसल नुकसान बचाने के लिए किसान खेतों में सोने नहीं जायेंगे। इससे हाथी मानव द्वंद कम होगा। 50 हजार की दर से भुगतान करने पर किसान अपनी जान जोखिम में डाल कर फसल बचाने हाथी का सामना नहीं करेंगे और ना ही हाथियों को परेशान कर भगाने का प्रयत्न करेंगे, जिसमे जन हानि हो जाती है। कुछ किसान कई बार हाथी सहित अन्य वन्यप्राणियों से फसल बचाने के लिए तार में बिजली प्रभावित कर देते है, जिससे हाथी और अन्य वन्यप्राणि ही नहीं बल्कि ग्रामीणों की मृत्यु की भी घटनाएं बढ़ रही है।

कृषि विश्वविद्यालय में 22 से 25 तक आयोजित होगा एग्री कार्नीवाल 2024

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 22 से 25 अक्टूबर, 2024 तक चार दिवसीय एग्री कार्नीवाल - 2024 ''राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी'' का आयोजन किया जाएगा जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 23 अक्टूबर को अपरान्ह 03 बजे एग्री कार्नीवाल 2024 ''राष्ट्रीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी'' का शुभारंभ करेंगे। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम करेंगे। इस अवसर पर सांसद रायपुर श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक धरसींवा श्री अनुज शर्मा, विधायक रायपुर ग्रामीण श्री मोती लाल साहू एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस चार दिवसीय एग्री कार्नीवाल - 2024 ''राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी'' में राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के प्रतिनिधि, कृषि मशिनरी एवं कृषि उत्पाद निर्माता कम्पनियां, स्टार्टअप्स उद्यमी, कृषक उत्पादक संगठन, महिला स्व-सहायता समूह, विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थान, छत्तीसगढ़ शासन के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक शामिल होंगे। राष्ट्रीय किसान मेला के दौरान प्रत्येक दिन कृषकों, छात्रों एवं आम नागरिकों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में उगाई जा रही फसलों एवं कृषि प्रदर्शनी का भ्रमण करवाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय राष्ट्रीय किसान मेला के दौरान विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनमें प्रथम दिवस 22 अक्टूबर को रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 2000 से अधिक विद्यार्थि शामिल होंगे। इस अवसर पर 20 से अधिक निजी कम्पनियों द्वारा चयनित विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान किया जाएगा एवं रोजगार प्राप्त करने की दिशा में कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। प्रथम दिवस उद्योग-शिक्षण संस्थाओं का सम्मेलन एवं अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा मेला का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को विदेश में शिक्षा प्राप्त करे की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर स्व-रोजगार एवं स्टार्टअप पर आधारित कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को स्टार्टअप विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं स्टार्टअप स्थापित करने हेतु मिलने वाली अनुदान के बारे में स्तार से जानकारी प्रदान की जाएगी। द्वितीय दिवस 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ से कृषि उत्पादों के निर्यात पर संगोष्ठी, आधुनिक पादप प्रजनन तकनीक एवं डाटा एनालिसिस पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण तथा जैव विविधता पर प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। 24 अक्टूबर 2024 को क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर एवं प्राकृतिक खेती पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। अन्तिम दिवस 25 अक्टूबर 2024 को जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड डाटा एनालिसिस इन एग्रीकल्चर विषय पर पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी में फसलों की नई किस्में, अधिक आय देने वाली वैकल्पिक फसलें, नवीन कृषि प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक एवं जैविक कृषि, जैव उर्वरक एवं जैव कीटनाशक, पशु पालन, मछली पालन एवं चारा उत्पादन, समन्वित कृषि प्रणाली, पोषक तत्व तथा कीट एवं बीमारी प्रबंधन, मृदा उर्वरता एवं मृदा स्वास्थ्य, संरक्षित खेती, उन्नतशील कृषि यंत्रों से कृषि प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन आदि से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इस चार दिवसीय आयोजन में प्रति दिवस इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषक पाठशाला का आयोजन भी किया जाएगा, जहां विभिन्न कृषि वैज्ञानिक एवं विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को कृषि से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिये जाएंगे तथा उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। मेले में राज्य शासन के कृषि तथा संबंधित विभागों द्वारा स्टाल लगाकर किसानों को राज्य शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित कृषकोपयोगी अनुसंधान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

नशीले पदार्थों की तस्करी मामले में हुए 3 गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर के खमतराई पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, यह गिरफ्तारी रायपुर के रिंग रोड नंबर 2 के पास से की गई, जहां तस्कर नशीले पदार्थों की बिक्री में लिप्त थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर इन आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस की छापेमारी में 26 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया गया, जिसकी बाज़ार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। साथ ही, पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और पूरी तस्करी गैंग का पर्दाफाश करने के लिए आगे की योजना बना रही है। ऐसे में, खमतराई पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन तस्कर इलाके में नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा, बस्ती थाना पुलिस भी इस मामले में सक्रिय है और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए काम कर रही है। बता दें कि, पुलिस का कहना है कि तस्करों ने नशीले सिरप को भी अवैध रूप से बेचने का काम किया है, जिसे जांच में शामिल किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर सख्त कदम उठाने की दिशा में की गई है। आने वाले दिनों में पुलिस की ओर से और भी छापेमारी की जा सकती है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है।

देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले बलिदानियों का स्मरण

स्मृति दिवस पर बलिदानियों को नमन करते पुलिस अधिकारी। शहीदों के परिजनों का सम्मान मंत्री लखन देवांगन ने किया

पुलिस ने मनाया स्मृति दिवस

कोरबा। पुलिस स्मृति दिवस की परंपरा देश के साथ कोरबा जिले में निभाई गई। कर्तव्य पथ पर मातृभूमि की सेवा करते हुए एक वर्ष के भीतर देश के विभिन्न हिस्सों में अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले पुलिस , सेना और अर्ध सैनिक बल के बलिदानी जवानों का पुण्य स्मरण किया गया। कोरबा के पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में स्थित शहीद स्मारक में यह कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर जिले के शहीदों के परिजनों को आमंत्रित करने के साथ उनका सम्मान किया गया।

जवानों की शहादत को अविस्मरणीय और अखंड बनाए रखने की भावना से पुलिस स्मृति दिवस की परंपरा पिछले वर्षों से शुरू हुई जिसका निर्वहन प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को किया जा रहा है । कोरबा जिले में भी पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा करने के दौरान बलिदान होने वाले वीर जवानों को याद किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसपी सिद्धार्थ तिवारी, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर, पूर्व विधायक मोहित राम, महापौर राजकिशोर प्रसाद, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, नेता प्रतिपक्ष हितानन्द अग्रवाल, सभापति श्याम सुंदर सोनी, अजय विश्वकर्मा, परविंदर सिंह सहित पुलिस के अधिकारियों के द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन जवानों के शौर्य को याद किया गया, जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुती दे दी। कार्यक्रम में वीरगति को प्राप्त होने वाले पुलिस जवानों के परिजनों का सम्मान भी किया गया।

21 अक्टूबर का दिन पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस के रुप में मनाया जाता है। इस वर्ष भी कोरबा के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस जवानों को समर्पित इस दिन को मनाया गया और अमर जवान स्थल पर उनकी शहादत को याद किया गया।

छलक पड़े आंसू ....

छत्तीसगढ़ के नक्सल मोर्चे सहित देश की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर दुश्मनों से लोहा लेते हुए कोरबा जिले के कई जवान बलिदान हो गए। बीते वर्षों में हुई घटनाओं में ऐसे जवानों ने अपना नाम अमर कर लिया। पुलिस स्मृति दिवस के कार्यक्रम में उनके परिजनों का सम्मान विशेष तौर पर आयोजकों ने किया। कार्यक्रम के दौरान कुछ पल ऐसे आए जब बलिदानियों के परिजनों की आंखें भावनाओं के कारण छलक उठी।

कामगारों की समस्याओं को प्रबंधन के सामने रखा

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व केन्द्रीय कर्मशाला में केएसएस और प्रबंधन के मध्य वार्ता हुई, जिसमें कोयला कामगारों की समस्याओं को सामने रखा गया। आवासों के मरम्मतीकरण एवं साफ सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। संतोष टंडन व डीपी सिंह ने कहा कि एसबीएस कालोनी के आवास काफी पुराने हो चुके है। इन आवासों में कई कार्य कराये जा रहे है। जिसके लिए प्रबंधन को आवेदन दिया गया है। कार्य कराने के लिए कामगारों को काफी चक्कर लगाना पड़ रहा है। इसी तरह साफ सफाई की समस्या को उठाते हुए बढ़ते मच्छरों के प्रकोप के संबंध में जानकारी दी गई। जिसमें कहा गया कि कालोनी में दवा का छिड़काव कराना जरूरी है। फागिंग मशीन से धुंए छोड़े जा रहे हैं, यह पर्याप्त नहीं है।

जायसवाल बने उड़िसा के प्रभारी

कोरबा। भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश में अलग-अलग कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। जिसके तहत उड़िसा व महाराष्ट्र की जिम्मेदारी राष्ट्रीय सचिव आरएस जायसवाल को दी गई है। प्रभारी बनते ही आरएस जायसवाल ने महाराष्ट्र का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने नागपुर में जाकर कार्यकर्ताओं की बैठक ली और उन्हें दिशा निर्देश दिए। इसके बाद अब वे उड़िसा प्रदेश का दौरा कर कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

साहू समाज का होगा परिचय सम्मेलन

कोरबा। साहू समाज की बैठक चेकपोस्ट स्थित भवन में आयोजित किया गया, जहां पर युवक-युवती परिचय सम्मेलन कराने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष गिरजा साहू ने बताया कि परिचय सम्मेलन के साथ प्रतिभावान छात्रों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए ईकाई के सदस्यों को सक्रिय कर दिया गया है। बैठक में दिनेश साहू, घनश्याम साहू व अन्नू साहू ने अपने विचार रखे।

कानूनी पहलुओं को जाना बीकन स्कूल के छात्रों ने

कोरबा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के तत्वावधान में मनजीत जांगड़े सिविल जज के द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन बीकन विद्यालय एस ,ई,सीएल कोरबा में संपन्न हुआ। उनके द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध , पोक्सो एक्ट ,संविधान सिविल मामले ,चेक बाउंस ,शिक्षा का अधिकार ,महिला अधिकार ,विधिक आदि के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई । संचालन विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती कल्पना मिश्रा द्वारा किया गया। प्राचार्य एम.बी. गुप्तलिव के द्वारा जज महोदय का स्वागत पुष्प कुछ के द्वारा किया गया इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक जी.एस पटेल ,डीके पांडे सुश्री यतीमा अतुल नाथन , पी बारीक, शोभा नाडीग् ,एन हिनडारीया,शांतनु सेठ, सत्यप्रकाश एवं अन्य शिक्षक शिक्षकाएं उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान पी.एल.वी ,अहमद, के साथ बने रहे।

पताड़ीधाम सदस्यों का दौरा शुरू

कोरबा। पताड़ी धाम के सदस्य इकाई क्षेत्र में जाकर बैठक ले रहे हैं और सामाजिक समस्याओं को निपटाने का प्रयास कर रहे हैं। कोषाध्यक्ष कमलेश अनंत ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जिलाध्यक्ष लखन लहरे के दिशा निर्देश पर काम हो रहा है। कई ऐसे मामले सामने आये है जिसे सुलझाना काफी कठिन था। पताड़ीधाम द्वारा ग्रामीणजनों को विश्वास में लेने का प्रयास किया जाता है और फिर उनकी समस्याओं को दूर किया जाता है। समाज के प्रति लोगों को विश्वास और बढ़ता जा रहा है। पदाधिकारी काफी सदस्यता के साथ काम कर रहे हैं। पताड़ीधाम के सभी पदाधिकारी इस मुद्दे पर रविवार को अलग से बैठक रखकर गंभीर मामलों पर विचार विमर्श करते हैं। इसके बाद उनके गांव में जाकर समस्या पर पुन: चर्चा की जाती है। इस कार्य में गैसराम मिरी, आत्माराम, गणेश बघेल, रेवा राम सहित कई कार्यकर्ता सक्रिय है।

मिट्टी के दीयों से भाग्योदय की आशा कुम्हारों को

चाइनीस आइटम पर रोक लगने से राहत

कोरबा। लोकल फॉर वोकल का नारा भारत सरकार की ओर से पिछले वर्षों में मजबूती के साथ दिया गया और इसे अखिल भारतीय स्तर पर प्रचारित प्रसारित किया गया। इसका व्यापक प्रभाव लोगों की मानसिकता पर पड़ा। इसी का परिणाम है कि दीपावली पर मिट्टी के दीपकों की मांग और उनकी उपयोगिता बढ़ी है। स्थानीय स्तर पर मिट्टी के दीयों का निर्माण करने में जुटे प्रजापति समुदाय को इस बात की पूरी आशा है कि दीपावली का पर्व उनके भाग्य उदय का आधार बनेगा

परंपरागत रूप से दीपोत्सव पर मिट्टी के दिए प्रचलित करने का विधान है जो सनातन काल से चला रहा है। त्रेता युग में आसुरी शक्ति के प्रतीक रावण का वध करने के बाद भगवान श्री रामचंद्र की अयोध्या वापसी हुई थी। प्रजा ने उनका स्वागत मिट्टी के दीए जलाकर किया था। मान्यता है कि तब से यह पर्व शुरू हो गया और समाज के बीच स्थापित हो गया। जबकि एक मान्यता यह भी है कि धन- और सुख समृद्धि से देवी देवताओं की अनुकंपा प्राप्त करने के लिए इस अवसर पर विशेष पूजा की जाती है इसलिए अभी दीपावली की परंपरा जारी है। बीते कुछ समय में इस पर्व पर आधुनिक सोच रखने वाले लोगों की ओर से चाइनीस झालर और दियों को बढ़ावा दिया गया। इससे कई प्रकार की चुनौतियां सर्वहारा वर्ग के बीच उत्पन्न हुई। पिछले दो पंचवर्षीय से भारत का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए गए। इससे लोगों की सोच में परिवर्तन किया और खास तौर पर छोटे उद्यम करने वाले वर्ग को आगे बढ़ाने में सहायता की। कोरबा नगर और आसपास के क्षेत्र में दीपावली पर्व के लिए लाखों की संख्या में मिट्टी के दिए कुम्हार समुदाय तैयार करने में लगा हुआ है। उन्होंने पुश्तैनी रूप से इस काम को जारी रखा है। करवा चौथ के साथ उनका व्यवसाय आगे बढ़ रहा है। तरुण छत्तीसगढ़ से बातचीत में ऐसे कुछ लोगों ने बताया की परंपरा और संस्कृति की जड़ों की तरफ जन सामान्य लौट रहा है और मजबूती से जुड़ रहा है। हमें पूरी आशा है कि इस प्रकार का परिवर्तन काफी अच्छा है और यह हमें आर्थिक रूप से मजबूत करने का एक माध्यम बनेगा।

मुख्यालय में धरना 23 को

कोरबा। बिजली कर्मचारी संघ द्वारा कई मांगों को लेकर पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जा रहा है। सभी विद्युत मंडल के संयंत्रों के सामने आमसभा आयोजित की गई। कोरबा पश्चिम में भी आयोजित आमसभा को राष्ट्रीय सचिव आरएस जाएसवाल ने संबोधित किया। इस दौरान अजय मिश्रा, सब्बीर मेमन, हेतराम खुटे, केदार राठौर, मदन मोहन पांडेय सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे। कोरबा पूर्व में आमसभा की तैयारी संदीप राठौर, नवरतन बरेठ श्याम सुंदर खुटे द्वारा की गई थी। अब बिजली कर्मचारी रायपुर मुख्यालय में जाकर 23 अक्टूबर को धरना प्रदर्शन करेंगे। जिसकी तैयारी जोरशोर से की जा रही है। कार्यकर्ताओं को ले जाने के लिए तैयार किया जा रहा है।

विस्थापित हितों पर हुई चर्चा

कोरबा। जिले में खनन, बिजली, रेल, सड़क मार्ग सहित अन्य विकास परियोजनाओं के लिए कई दशक से भू-अर्जन के कारण होने वाले विस्थापन से उत्पन्न समस्याओं के खिलाफ संघर्ष और समाधान के विषय पर भूविस्थापित किसानों को एक मंच पर लाकर आगे की रूपरेखा तैयार करने के लिए संवाद सम्मेलन का आयोजन दीपका स्थित अशोका लाज के सभागृह में किया गया । इस सम्मेलन में कटघोरा विद्यायक प्रेमचंद पटेल ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता का विषय है।

स्मार्ट फोन ने करवाचौथ पर व्रतियों को कराया चंद्र दर्शन

कोरबा । कई मौके ऐसे आते हैं जब मौसम संबंधी कारण से चांद सितारे बादलों में इस कदर छुप जाते हैं कि वह लोगों को परेशान कर देते हैं । इन पर आधारित हिंदू पर्व त्यौहार न केवल बाधित होते हैं बल्कि व्रती परेशान होते हैं । कोरबा जिले में करवा चौथ के दिन भी ऐसा हुआ । कई घंटे इंतजार करने के बाद भी जब चंद्रमा नहीं नजर आया तो 11:00 के बाद दूसरे जिले से महिलाओं ने चंद्रमा के दर्शन अपने स्मार्टफोन पर किया और व्रत को पूरा किया।

सरकारी स्कूल में शिक्षिका लक्ष्मी तिवारी ने बताया कि गेवरा दीपका समेत पूरे कोयलांचल क्षेत्र में करवाचौथ पर रात 11 बजे तक चंद्रमा के दर्शन नहीं हो सके। व्रत रखने वाली सुहागिनें परेशान रहीं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हिंदू महिलाओं ने पति के दीर्घ जीवन और अपने सौभाग्यवती होने की कामना से इस व्रत को रखा और निर्जला होकर परंपरा का निर्वहन किया। रविवार को कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी पर विशेषज्ञों ने चंद्र उदय का समय शाम 7:47 बजे बताया था, लेकिन इस समय तक चंद्रमा का आसमान पर आता-पता नहीं था । चंद्रमा दर्शन के बिना पूजा-अर्चना और व्रत खोलने की प्रक्रिया आखिर कैसे पूरी हो, यह अपने आप में ज्वलंत सवाल था। गेवरा दीपिका के साथ कोरबा कुसमुंडा

कुछ क्षेत्रों में इस विकल्प को अपनाया गया।

और अन्य क्षेत्रों में भी चंद्रमा के दर्शन को लेकर अजीब परेशानी बनी हुई थी।

व्रतधारी महिलाओं को अपने सुहाग के माध्यम से चन्द्र के दर्शन कर व्रत खोलने का इंतजार था, परन्तु देर से भी नहीं निकलने के कारण वे निराश हो रही थीं। इसके लिए महिलाओं ने मोबाइल के जरिए दूसरे शहरों में अपने परिघटों से संपर्क किया और इस बारे में जानकारी ली। बताया गया कि 25 वर्ष के कालखंड में ऐसा पहला अवसर आया जब दूसरे क्षेत्र में संपर्क करने के साथ स्मार्टफोन पर चंद्रमा के उदित होने के वीडियो देखने के साथ इस व्रत की परंपरा पूरी की गई। व्रत करने वालों ने बताया कि यह अनुभव काफी समय तक उन्हें याद रहेगा

समस्या हल करने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

कोरबा। कोरबा के सबसे बड़े महाविद्यालय पीजी कॉलेज में कई तरह की समस्याएं पिछले लंबे समय से कायम है,जिसे दूर करने को लेकर प्रबंधन ध्यान नही दे रहा। यही वजह है,कि अब छात्र संगठन कॉलेज में पसरी समस्याओं को लेकर सामने आए है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने कॉलेज की प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं का समाधन करने की मांग की। संगठन का कहना है,कि कॉलेज में गर्ल्स कॉमन रुम की शुरु किया जाए,शिक्षकों की कमी दूर करने,सुरक्षाकर्मी की तैनाती,छात्रवास को शुरु करने की मांग,पानी की समस्या दूर करने की मांग रखी।

सिस्टम पर हावी रेत चोर, अंकुश आखिर कब

नगर संवाददाता

कोरबा । रेत तस्करी का कारोबार धड़ले से जारी है . इस कारोबार पर अंकुश लगाने का दावा तो किया जाता है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। जो काम चोरी चुपके से होता था अब उसे समूह में किया जा रहा है।

कारण चाहे जो भी हो, रेत चोरों का कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा है कोरबा जिले के बाकी मोगरा क्षेत्र में रेत तस्कर खुलेआम अपना कारोबार कर रहे हैं ।गजरा घाट से रेत की अवैध निकासी हो रही है । रेत खनन और परिवहन को लेकर भले ही सरकार के द्वारा नियम कानून बनाए गए हैं लेकिन हर किसी को इसका पालन करना बिल्कुल जरूरी नहीं। और यही कारण है कि कोरबा जिले में हसदेव नदी इस प्रकार के गलत कार्यों के लिए सबसे बड़ा माध्यम बनी हुई है । बताया गया कि सुबह से लेकर देर रात तक रेत चोरी का यह कारोबार चलता है। ट्रैक्टर चालक और मालिक रेत चोरी के लिए बहती नदी से रेत निकालने के लिए एक ट्रैक्टर से दूसरे ट्रैक्टर को टोचन कर उसे पानी से निकालते कभी भी देखे जा सकते हैं।

चोरी का यह कारोबार खुलेआम चल रहा है। मौके पर अगर लोग जाएंगे तो उन्हें यह दृश्य देखने के लिए बहुत कष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। कुछ देर में ही ट्रैक्टर से ट्रैक्टर को खींचकर रेत सहित बाहर निकलने का यह साहसिक कारनामा देखने को मिल जाएगा। लेकिन सरकार के सिस्टम को यह सब बिल्कुल नजर नहीं आ रहा है। कुसमुंडा क्षेत्र में एक पार्षद पुत्र के अलावा कई लोग रेत चोरी के इस काम में पूरी सक्रियता से लगे हुए हैं।

200 खिलाड़ियों को कौशल दिखाने का अवसर

कोरबा । राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन आज से टीपी नगर स्टेडियम में हो रहा है। कोरबा सहित प्रदेश भर के 200 खिलाड़ी विभिन्न खेल में शामिल होंगे। मंत्री लखन देवांगन ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। 24 अक्टूबर को समापन होगा।

100 सदस्य बनाने वाले बनेंगे सक्रिय सदस्य

कोरबा। भाजपा में अब सक्रिय सदस्य बनाने का काम शुरू हो रहा है। वही व्यक्ति सक्रिय सदस्य बना पाएंगे। जिन्होंने पहले से ही 100 सदस्य बनाया हो। 100 सदस्य बनाने वाले व्यक्ति ही सक्रिय सदस्य बनने के पात्र होंगे। कटघोरा नगर मंडल के महामंत्री अभिषेक गर्ग ने बताया कि कल से सक्रिय सदस्य बनाने का काम शुरू हो रहा है। हरदी बाजार नगर मंडल से हरिश थरवानी ने कहा कि उन्होंने 100 से अधिक सदस्य बना लिए हैं। अब सक्रिय सदस्य के लिए व्यक्तियों को चिन्हांकित कर रहे हैं। कोसाबाड़ी नगर मंडल के कमलजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने भी 100 से अधिक सदस्य बना लिए हैं। युवा मोर्चा के धनंजय चौहान प्रीति स्वर्णकार, प्रकाश यादव, विवेक मारकंडे, किशन केशरवानी अब वे कल से सक्रिय सदस्य बनाने के लिए जुटेंगे। पूरे जिले में सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान शुरू हो रहा है। जहां-जहां फार्म भेज दिए गए थे वहां काम पहले से ही शुरू हो चुका है।

नवोदित प्रतिभाओं में है काफी संभावनाएं: शर्मा

बुराईयों का उन्मूलन करने की है क्षमता साहित्य में

कोरबा। साहित्यकार और राष्ट्रीय कवि संगम के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही गायत्री शर्मा ने कहा है कि साहित्य का क्षेत्र अपनी विशेषताओं के कारण विशिष्ट है। समय के साथ इस क्षेत्र में नई प्रतिभाओं का पदार्पण हो रहा है। उनमें आगे बढ़ने की पर्याप्त संभावनाएं दिखाई देती हैं।

लंबे समय से साहित्य सृजन में जुटी गायत्री ने एक चर्चा में यह बात कही। अनेक मंचों पर कविता पाठ के साथ सम्मान प्राप्त करने वाली इस साहित्यकार ने कहा कि शुरू से ही साहित्य की भूमिका समाज को दर्पण दिखाने की रही है। समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार की बुराइयों और कुरीतियों को काफी हद तक मिटाने की क्षमता साहित्य में है। साहित्य से जुड़ी कई पीढ़ियां ने अपनी भूमिका से इस बात को साबित किया है और कई अवधारणाओं को स्थापित भी किया है।

उन्होंने कहा की समय के साथ कई प्रकार के परिवर्तन हर क्षेत्र में हो रहे हैं और साहित्य भी इसे अछूता नहीं है लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि सार्थक दिशा में साहित्य को आगे बढ़ाने की लगातार कोशिश हो रही है। इसमें संप्रेषण की क्षमता तो है ही, बहुत बड़े वर्ग को सही रास्ता दिखाने और चीजों को सही करने की ताकत भी है। वस्तुत: सकारात्मक रूप से आने वाला विचार और इसी परिपेक्ष में किए जाने वाले काम हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं और नवीन प्रेरणा का संचार भी करते हैं। ललित कलाओं को समर्पित संगठन संस्कार भारती के लिए अलग-अलग भूमिका निभा चुकी गायत्री ने कहा की अखिल भारतीय स्तर पर कई प्रकार के परिवर्तन सज्जन शक्ति के सामूहिक रूप से उठ खड़े होने के कारण संभव हुए हैं और लगातार इनमें बढ़ोतरी होना सुखद संकेत है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com